मुंबई (महाराष्ट्र) से प्रकाशित

हिन्दी दैनिक

उत्तरशक्ति

हर खबर निष्पक्षता के साथ

मुंबई
वर्षः 7 अंक 226
मंगलवार, 04 मार्च 2025
मूल्य 3 रुपए, पृष्ठ-6
RNI NO. MAHHIN/2018/76092
email ID- uttarshaktinews@gmail.com
www.uttarshakti.co.in

दृष्टिबाधित व्यक्तियों को न्यायिक सेवाओं में अवसर से वंचित नहीं किया जा सकता : उच्चतम न्यायालय

नई दिल्ली, 03 मार्च। उच्चतम न्यायालय ने सोमवार को एक महत्वपूर्ण फैसला सुनाते हुए कहा कि दृष्टिबाधित व्यक्तियों को न्यायिक सेवाओं में रोजगार के अवसर से वंचित नहीं किया जा सकता।

न्यायमूर्ति जे बी पारदीवाला और न्यायमूर्ति आर महादेवन की पीठ ने पिछले साल तीन दिसंबर को कुछ राज्यों में न्यायिक सेवाओं में दृष्टिबाधित व्यक्तियों को आरक्षण न दिए जाने को लेकर स्वतः संज्ञान वाले एक मामले सहित छह याचिकाओं पर अपना फैसला सुरक्षित रख लिया था। न्यायमूर्ति महादेवन ने फैसला सुनाते हुए कहा कि न्यायिक सेवा में भर्ती के दौरान दिव्यांगजन के साथ किसी भी प्रकार का भेदभाव नहीं होना चाहिए तथा सरकार को समावेशी ढांचा सुनिश्चित करने के लिए उनके लिए सकारात्मक कदम उठाने चाहिए। न्यायाधीश ने कहा, चाहे वह कटऑफ के माध्यम से हो या प्रक्रियात्मक बाधाओं के कारण.. किसी भी प्रकार के ऐसे अप्रत्यक्ष भेदभाव में हस्तक्षेप किया जाना चाहिए जिसके परिणामस्वरूप दिव्यांगजन को अवसर से वंचित रखा जाता हो ताकि मौलिक समानता बरकरार रखी जा सके। फैसले में कहा गया कि किसी भी उम्मीदवार को केवल उसके दिव्यांग होने के कारण अवसर से वंचित नहीं किया जा सकता। शीर्ष अदालत ने मध्य प्रदेश सेवा परीक्षा (भर्ती एवं सेवा शर्तें) नियम 1994 के उन कुछ नियमों को भी रद्द कर दिया, जिसके तहत दृष्टिबाधित और अल्प दृष्टि वाले उम्मीदवारों को न्यायिक सेवा में प्रवेश से रोका गया था। ये याचिकाएं मध्य प्रदेश नियमावली के नियम 6ए और सात की वैधता से संबंधित थीं। फैसले में कहा गया है कि चयन प्रक्रिया में भाग लेने वाले पीडब्ल्यूडी (दिव्यांग) उम्मीदवार फैसले के आलोक में न्यायिक सेवा चयन के लिए विचार किए जाने के हकदार हैं और यदि वे पात्र हैं तो उन्हें रिक्त पदों पर नियुक्त किया जा सकता है। इस संबंध में विस्तृत फैसला अभी उपलब्ध नहीं है।

तमिलनाडु में तमिल ही रहेगी मुख्य भाषा, हिन्दी विवाद के बीच मोदी सरकार ने स्टालिन के आरोपों का दिया जवाब

तमिलनाडु, 03 मार्च। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने कहा कि नई शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 किसी भी राज्य पर हिंदी को लागू नहीं करती है। उन्होंने आगे उल्लेख किया कि इस नीति का तमिलनाडु सरकार का विरोध राजनीति से प्रेरित था। पत्रकारों को संबोधित करते हुए प्रधान ने स्पष्ट किया कि एनईपी मातृभाषा आधारित शिक्षा को प्रोत्साहित करती है। उन्होंने बताया, ₹हमने एनईपी 2020 में कभी नहीं कहा कि केवल हिंदी होगी। शिक्षा मूल भाषा में होगी। तमिलनाडु में, यह तमिल होगी। उनका बयान ऐसे समय में आया है जब तमिलनाडु सरकार एनईपी 2020 की तीन-भाषा नीति का विरोध कर रही है। राज्य ने क्षेत्रीय भाषाओं पर नीति के प्रभाव के बारे में चिंता व्यक्त की है। प्रधान ने ऐसी चिंताओं को राजनीतिक कहकर खारिज कर दिया। उन्होंने कहा, एनईपी 2020 हिंदी, तमिल, उड़िया और पंजाबी सहित सभी भाषाओं पर प्रकाश डालता है। सभी भाषाओं का समान महत्व है। तमिलनाडु में कुछ लोग राजनीतिक उद्देश्यों के कारण इसका विरोध कर रहे हैं।

इससे पहले दिन में, प्रधान ने दिल्ली विश्वविद्यालय में हिंदू कॉलेज के 126वें स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में एक समारोह में बात की। उन्होंने त्रिभाषा नीति के महत्व और रोजगार तथा राष्ट्रीय एकता में इसके योगदान पर जोर दिया। उन्होंने कहा, "देश भर में तीन-भाषा फॉमूर्ला अपनाया जाना चाहिए।" उन्होंने यह भी कहा कि एक बहुभाषी स्कूल प्रणाली किसी भी क्षेत्र के व्यक्तियों को रोजगार प्राप्त करने में सहायता करेगी। उन्होंने कहा, "विशेषज्ञों ने देश की सामाजिक, सांस्कृतिक और आर्थिक परिस्थितियों को देखते हुए, आगे बढ़ने के रास्ते के रूप में एक त्रिभाषी फॉमूर्ले की पहचान की है।

सरकार राज्य के दर्जे की मांग पूरी करने के लिए हितधारकों के साथ बातचीत को प्रतिबद्ध : उपराज्यपाल मनोज सिन्हा

कश्मीर, 03 मार्च। उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने सोमवार को कहा कि सरकार जम्मू-कश्मीर के लोगों की राज्य का दर्जा पाने की आकांक्षा को पूरा करने के लिए प्रतिबद्ध है। जम्मू-कश्मीर विधानसभा के सात साल में आयोजित पहले बजट सत्र को संबोधित करते हुए सिन्हा ने कहा कि यह सत्र महज एक विधायी औपचारिकता नहीं है, बल्कि सुशासन, पारदर्शिता और समावेशी विकास के प्रति उनकी प्रतिबद्धता का प्रतिबिंब है।

उन्होंने कहा कि सरकार इस आकांक्षा के भावनात्मक और राजनीतिक महत्व को समझती है और सभी हितधारकों के साथ जुड़ने के लिए प्रतिबद्ध है। सिन्हा ने कहा, यह बजट ऐतिहासिक महत्व रखता है क्योंकि यह जम्मू-कश्मीर में निर्वाचित सरकार द्वारा सात वर्षों में प्रस्तुत किया जाने वाला पहला बजट है। यह लोगों की शक्ति का प्रतीक है, जिसे उनके निर्वाचित प्रतिनिधियों द्वारा तैयार किया गया है। उपराज्यपाल ने पुष्टि की कि यह बजट दस्तावेज न केवल आर्थिक है, बल्कि एक उज्जवल भविष्य के लिए जनता की आशाओं और आकांक्षाओं को भी दशार्ता है। उन्होंने शांति और समृद्धि बनाए रखने तथा लोगों से किए गए वादों को पूरा करने के लिए सरकार की प्रतिबद्धता को दोहराया। उन्होंने कहा, चुनौतियों के बावजूद अर्थव्यवस्था ने उल्लेखनीय वृद्धि दिखाई है।

सरकार जम्मू-कश्मीर को प्रगतिशील अर्थव्यवस्था बनाने के लिए काम कर रही है। केंद्र शासित प्रदेश में नेशनल कांफ्रेंस के नेतृत्व वाली सरकार के गठन के बाद से यह जम्मू-कश्मीर विधानसभा का दूसरा सत्र है। इससे पहले, सरकार के गठन के 20 दिन बाद पिछले साल चार से आठ नवंबर तक विधानसभा श्रीनगर में बैठी थी।

भतीजे आकाश आनंद के खिलाफ मायावती का एक्शन, अब बसपा से किया निष्कासित

लखनऊ, 03 मार्च। बसपा सुप्रीमो मायावती ने सोमवार को एक बड़ा ऐलान करते हुए पार्टी की सदस्यता समाप्त करते हुए अपने भतीजे आकाश आनंद को बसपा से बाहर कर दिया। उन्होंने एक्स हैंडल लेते हुए कहा कि परमपूज्य बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर के स्वाभिमान और स्वाभिमान आंदोलन के हित में और पूज्य कांशीराम जी की अनुशासन परंपरा का पालन करते हुए आकाश आनंद को उनके ससुर की तरह पार्टी और आंदोलन के हित में पार्टी से निष्कासित किया जाता है।

मायावती ने एक्स पर लिखा कि बीएसपी की आल-इण्डिया की बैठक में कल आकाश आनन्द को पार्टी हित से अधिक पार्टी से निष्कासित अपने ससुर अशोक सिद्धार्थ के प्रभाव में लगातार बने रहने के कारण नेशनल कोआर्डिनेटर सहित सभी जिम्मेदारियों से मुक्त कर दिया गया था, जिसका उसे पश्चताप करके अपनी परिपक्वता दिखानी थी। लेकिन इसके विपरीत श्री आकाश ने जो अपनी लम्बी-चौड़ी प्रतिक्रिया दी है वह उसके पछतावे व राजनीतिक मैच्युरिटी का नहीं बल्कि उसके ससुर के ही प्रभाव वाला ज्यादातर स्वार्थी, अहंकारी व गैर-मिशनरी है, जिससे बचने की सलाह मैं पार्टी के ऐसे सभी लोगों को देने के साथ दण्डित भी करती रही हूँ।

इसके बाद उन्होंने कहा कि अतः परमपूज्य बाबा साहेब डा. भीमराव अम्बेडकर के आत्म-सम्मान व स्वाभिमान मूवमेन्ट के हित में तथा मान्यवर कांशीराम जी की अनुशासन की परम्परा को निभाते हुए आकाश आनन्द को, उनके ससुर की तरह, पार्टी व मूवमेन्ट के हित, में पार्टी से निष्कासित किया जाता है। बसपा के सभी पार्टी पदों से हटाए जाने के बाद आकाश आनंद ने सोमवार को कहा कि वह निडर बने हुए हैं और उन्हें बहुजन आंदोलन के आदर्शों से ताकत मिली है।

उन्होंने कहा कि यह संघर्ष कोई करियर नहीं बल्कि हाशिए पर रहने वाले समुदायों के आत्मसम्मान और आत्मसम्मान की लड़ाई है। एक्स पर एक सोशल मीडिया पोस्ट में आनंद ने कहा, विपक्षी पार्टी के कुछ लोग सोच रहे हैं कि पार्टी के इस फैसले से मेरा राजनीतिक करियर खत्म हो गया है। उन्हें समझना चाहिए कि बहुजन आंदोलन कोई करियर नहीं बल्कि करोड़ों दलितों, शोषितों, वंचितों और गरीबों के स्वाभिमान और आत्मसम्मान की लड़ाई है।₹ उन्होंने कहा कि, वह

बहुजन आंदोलन के एक सच्चे कार्यकर्ता के रूप में खुद को पूरी तरह से पार्टी के प्रति समर्पित करते रहेंगे और समाज के अधिकारों के लिए लड़ते रहेंगे। उन्होंने फैसले को भावनात्मक भी बताया और कहा कि 'परीक्षा कठिन है।'

झांसी में सड़क दुर्घटना में पिता-पुत्र समेत तीन लोगों की मौत

झांसी, 03 मार्च। उत्तर प्रदेश के झांसी जिले के पूंछ थाना क्षेत्र में सोमवार की सुबह एक अज्ञात वाहन की टक्कर के कारण मोटरसाइकिल सवार पिता पुत्र सहित तीन लोगों की मौत हो गयी। पुलिस ने यह जानकारी दी। पूंछ थाना के प्रभारी निरीक्षक (एसएचओ) जेपी पाल ने बताया कि आज सुबह करीब 10 बजे उरई से झांसी की ओर आ रही एक मोटरसाइकिल को कानपुर रोड पर स्थित ढेरी पुलिया के पास किसी अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी। उन्होंने बताया कि अज्ञात वाहन की टक्कर से बुरी तरह घायल हुए मोटरसाइकिल सवार विक्रम कुशवाहा (25) और उसके दो वर्षीय पुत्र की मौके पर ही मौत हो गयी, जबकि उनके साथ बैठी विक्रम की साली गुड़िया (18) गंभीर रूप से घायल हो गयी।गंभीर रूप से घायल गुड़िया को उपचार के लिए मेडिकल कॉलेज भेजा गया, परंतु उपचार के दौरान दोपहर बाद उसकी भी मौत हो गयी। ऐसा बताया गया है कि विक्रम अपने ससुराल बिराशनी, जालौन से किसी पारिवारिक कार्यक्रम में शामिल होने के बाद अपने घर आ रहा था।

इस दुर्घटना के संबंध में पुलिस ने मोटरसाइकिल कोटक्कर मारने वाले अज्ञात वाहन के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उसकी तलाश शुरू कर दी है। तीनों मृतकों के शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

मोदी सरकार में बेरोजगारी, महंगाई और झूठ का थोक में उत्पादन हुआ : राहुल गांधी

नई दिल्ली। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने सोमवार को आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार में आर्थिक विफलता, बेरोजगारी, महंगाई और झूठ का थोक में उत्पादन हुआ है। उन्होंने यह भी कहा कि अन्याय वाले कर हटाकर, एकाधिकार मिटाकर और बैंक के दरवाजे खोलकर मजबूत भारत का निर्माण शुरू हो सकता है। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने फेसबुक पर एक पोस्ट में कहा, मोदी सरकार में अगर कुछ थोक में मैन्युफैक्चर (उत्पादन) हुआ है, तो वो है आर्थिक विफलता, बेरोजगारी, महंगाई और झूठ। उन्होंने कहा, अन्याय वाले कर हटाओ, एकाधिकार मिटाओ, बैंक के दरवाजे खोलो, हुनर को हक दिलाओ। तब अर्थव्यवस्था, रोजगार और मजबूत भारत का निर्माण शुरू होगा।

कर्नाटक के विकास मॉडल का अध्ययन दुनिया भर के अर्थशास्त्री, विश्वविद्यालय कर रहे हैं : थावरचंद गहलोत

बेंगलुरु। कर्नाटक के राज्यपाल थावरचंद गहलोत ने कहा कि राज्य सरकार विकास में कर्नाटक का एक अनूठा मॉडल विकसित कर रही है, जिसका अध्ययन दुनिया भर के अर्थशास्त्री और विश्वविद्यालय कर रहे हैं। यहां विधान सौध में राज्य विधानमंडल के संयुक्त सत्र को संबोधित करते हुए उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि विकास का कर्नाटक मॉडल आर्थिक, सामाजिक और सांस्कृतिक शासन के लिहाज से जन-केंद्रित दृष्टिकोण पर केंद्रित है। उन्होंने कहा, सरकार विकास में कर्नाटक का एक अनूठा मॉडल तैयार कर रही है। विकास के कर्नाटक मॉडल का मतलब है जन-केंद्रित आर्थिक, सामाजिक और सांस्कृतिक शासन बनाना। इसमें हरित ऊर्जा, महिला सशक्तिकरण आदि भी शामिल हैं। राज्यपाल ने कहा कि कर्नाटक मॉडल का विश्व के विशेषज्ञ गहन अध्ययन कर रहे हैं। उन्होंने बताया, ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय ने अपने ह्यूमन राइट्स हब ब्लॉग में इस मॉडल को अंधेरे में प्रकाश की किरण और दुनिया के लिए एक खाका बताया है।

यौन अत्याचारों के बढ़ने की त्रासदी पर लगाम लगे

-ललित गर्ग

यौन शोषण के विरुद्ध संघर्ष का विश्व दिवस-4 मार्च, 2025

यौन शोषण दुनिया के लिए बड़ी समस्या है, जो दुनिया भर में है। हालांकि कुछ देशों में महिलाएं अधिक असुरक्षित एवं यौन उत्पीड़न, शोषण एवं हिंसा की शिकार हैं, इनमें दक्षिण पूर्व एशिया, पूर्वी यूरोप और कुछ लैटिन अमेरिकी और कैरेबियाई देशों शामिल हैं, भारत की स्थिति भी बहुत ज्यादा अच्छी नहीं कहीं जा सकती। वेश्यावृत्ति के उद्देश्यों के लिए इन क्षेत्रों की तस्करी वाली महिलाओं को आम तौर पर तथाकथित विकसित दुनिया के देशों में ले जाया जाता है। महिलाओं को इसी त्रासदी से मुक्ति दिलाने के लिये ही दुनियाभर में 4 मार्च को यौन शोषण के विरुद्ध संघर्ष का विश्व दिवस के रूप में मनाया जाता है। इसका उद्देश्य महिलाओं को यौन शोषण के विरुद्ध आवाज उठाने के लिए प्रेरित करना है। दुनियाभर में महिलाओं और बच्चों के साथ रोजाना कई प्रकार के यौन शोषण के मामले सामने आते रहते हैं। यह अनुमान लगाया गया है कि हर दिन औसतन आठ महिलाएं, लड़कियां और अक्सर युवा लड़कों का यौन शोषण किया जाता है।

यौन उत्पीड़न किसी भी प्रकार का अवांछित यौन प्रस्ताव, यौन पक्ष के लिए अनुरोध, यौन प्रकृति का मौखिक या शारीरिक आचरण या इशारा, या यौन प्रकृति का कोई अन्य व्यवहार है, जिसकी उचित रूप से अपेक्षा की जा सकती है या जिसे किसी अन्य के लिए अपमान या अपमान का कारण माना जा सकता है, जब ऐसा आचरण काम में बाधा डालता है, जो सहायता कर्मियों द्वारा साथी सहायता कर्मियों के विरुद्ध किया जाता है। यूनिसेफ ऐसे सभी प्रकार के यौन दुराचार, यौन उत्पीडन, अत्याचार और यौन हिंसा से निपटने के लिए प्रतिबद्ध है। संयुक्त राष्ट्र यौन शोषण और यौन दुर्व्यवहार, यौन उत्पीड़न और बच्चों के खिलाफ यौन हिंसा के बीच अंतर करता है। यौन शोषण एक यौन प्रकृति का वास्तविक या धमकी भरा शारीरिक

अतिक्रमण है, चाहे बलपूर्वक या असमान या बलपूर्वक परिस्थितियों में, सहायता कार्यकताओं द्वारा उन बच्चों और परिवारों के खिलाफ किया जाता है जिनकी हम सेवा करते हैं। यौन उत्पीड़न समाज में हर जगह पसरा है, कार्यस्थल, शैक्षणिक संस्थान और घर से लेकर धार्मिक स्थलों में महिलाएं एवं बालिकाएं असुरक्षित है। ग्रामीण इलाकों में 26 प्रतिशत महिलाएं, शहरी इलाकों में 21 प्रतिशत और उपनगरीय इलाकों में 18 प्रतिशत महिलाएं यौन उत्पीड़न की शिकार होती हैं। जो महिलाएं अपनी आय का मुख्य स्रोत टिप पर निर्भर रहती हैं, उनके यौन उत्पीड़न की संभावना दोगुनी होती है। कॉलेज के दो-तिहाई छात्र यौन उत्पीड़न का अनुभव करते हैं। 12-17 साल की उम्र के 1.6 प्रतिशत बच्चे बलात्कार या यौन उत्पीड़न के शिकार होते हैं। यौन उत्पीड़न का शिकार हुई चार किशोर बालिकाओं एवं बच्चों में से लगभग तीन यानी 74 प्रतिशत कोई ऐसी बालिका या बच्चे अपने ही किसी परिचित से हुए, जिसे वे अच्छी तरह से जानती थे। यौन शोषण कई तरह से किया जाता है, जैसे अवांछित यौन स्पर्श 49 प्रतिशत, साइबर यौन उत्पीड़न 40 प्रतिशत, अवांछित जननांग प्रदर्शन 30 प्रतिशत, शारीरिक रूप से पीछा किया जाना 27 प्रतिशत और यौन उत्पीड़न 23 प्रतिशत है। यह दिवस देश एवं दुनिया में महिलाओं और बालिकाओं के साथ हो रहे यौन शोषण के मामलों पर लगाम लगाने के लिये जागरूकता की मुहिम है। इसका मुख्य उद्देश्य यौन शोषण और वेश्यावृत्ति में लिप्त महिलाओं को बचाकर उन्हें सामान्य जीवन जीने के लिए प्रेरित करना भी है। महिलाओं एवं बालिकाओं पर बढ़ते यौन अत्याचारों को देखते हुए यह प्रतीत होता है कि इक्कीसवीं सदी का सफर करते हुए तमाम तरह के विकास के वायदे खोखले साबित हो रहे हैं। भारत के लिये निश्चित रूप से यह चिंताजनक है और हमारी विकास-नीतियों पर सवाल भी उठाती है। बड़ा सवाल तो तब खड़ा हुआ जब सुप्रीम कोर्ट में पेश आंकड़ों के मुताबिक 2016 में ही देश भर में करीब एक लाख बच्चे यौन अपराधों के शिकार हुए। कितनी विडम्बना है कि देश में हम ह्लबेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओह्ल का नारा बुलन्द करते हुए एक जोरदार मुहिम चला रहे हैं उस देश में लगातार बालिकाएं यौन शोषण का शिकार हो रही है। यह दाग ह्यएक भारत, श्रेष्ठ भारतह्ल के संकल्प पर भी लगा है और यह दाग हमारे द्वारा नारी को पूजने की परम्परा पर भी लगा है। लेकिन प्रश्न है कि हम कब बेदाग होंगे? अच्छे भविष्य के लिए हम बेटियों की पढ़ाई से ही सबसे ज्यादा उम्मीदें बांधते हैं। बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ जैसे नारे हमारे संकल्प को बताते हैं, हमारी सदिच्छा को दिखाते हैं, भविष्य को लेकर हमारी सोच को जाहिर करते हैं, लेकिन वर्तमान की हकीकत इससे उलट है। वे पढ़ाई में अपने झंडे भले ही गाड़ दें, लेकिन उन्हें आगे बढ़ने से रोकने की क्रूरताएं कई तरह की हैं। उसका मुख्य कारण है सदियों से चली आ रही कुरीतियाँ, अंधविश्वास व बालिकओ को भोग्या समझने की विकृत मानसिकता।

बालिकाओं के साथ होने वाली त्रासद एवं अमानवीय घटनाएं -निर्भया कांड, नितीश कटारा हत्याकांड, प्रियदर्शनी मट्टू बलात्कार व हत्याकांड, जेसिका लाल हत्याकांड, रुचिका मेहरोत्रा आत्महत्या कांड, आरुषि मर्डर मिस्ट्री की घटनाओं में पिछले कुछ सालों में इंडिया ने कुछ और ऐसे मौके दिए जब अहसास हुआ कि भ्रूण में किसी तरह नारी अस्तित्व बच भी जाए तो दुनिया के पास उनके साथ और भी बहुत कुछ है बुरा करने के लिए। बहशी एवं दरिन्दे लोग ही बालिकाओं को नहीं नोचते, समाज के तथाकथित ठेकेदार कहे जाने वाले लोग और पंचायतें, तथाकथित राम-रहीम जैसे धर्मगुरु भी बालिकाओं की स्वतंत्रता एवं अस्मिता को कुचलने में कोई कोर-कसर नहीं छोड़ रहे हैं, स्वतंत्र भारत में यह कैसा समाज बन रहा है, जिसमें महिलाओं की आजादी छीनने की कोशिशें और उससे जुड़ी यौन उत्पीड़न एवं हिंसक की त्रासदीपूर्ण घटनाओं ने बार-बार हम सबको शर्मसार किया है। यौन शोषण के विरुद्ध संघर्ष का विश्व दिवस का यह अवसर इन त्रासद एवं क्रूर स्थितियों पर आत्म-मंथन करने का है, क्योंकि बालिकाओं एवं महिलाओं के समावेश, न्याय व सुरक्षा की स्थिति को बताने वाले वैश्विक शांति व सुरक्षा सूचकांक के 177 देशों में भारत का 128वां स्थान है। एनसीआरबी की रिपोर्ट के अनुसार, महिलाओं के विरूद्ध अपराध में राष्ट्रीय औसत 66.4 प्रतिशत है। राजधानी दिल्ली का स्थान 144.4 अंकों के साथ सर्वोच्च है। माना जाता है कि 90 प्रतिशत यौन उत्पीड़न जान-पहचान के व्यक्ति ही करते हैं। यानी बालिकाएं अपने ही घर या परिचितों के बीच सबसे ज्यादा असुरक्षित है। बालिकाओं एवं महिलाओं के खिलाफ हो रहे अपराध, खासतौर पर यौन अपराध के ज्यादातर मामले सामने नहीं आ पाते, विशेषतः बालिकाएं समझ ही नहीं पाती कि उनके साथ कुछ गलत हो रहा है। अगर वे समझती भी हैं तो डांट के डर से अभिभावकों से इस बारे में बात नहीं करती हैं। महिला एवं बाल विकास कल्याण मंत्रालय के अध्ययन में भी यही बात सामने आई है। बालिकाओं पर बढ़ रहे यौन अपराधों पर नियंत्रण पाने के लिये व्यापक प्रयत्नों की अपेक्षा है। बालिकाओं एवं बच्चों से खुलकर बात करें। उनकी बात सुने और समझें। अगर बालिकाओं एवं बच्चे कुछ ऐसा बताते है तो उसे गंभीरता से लें। इस समस्या को हल करने की कोशिश करें। पुलिस में बेझिझक शिकायत करें। बालिकाओं एवं बच्चों को ह्लगुड टच-बैड टचह्ल के बारे में बताएं- बालिकाओं एवं बच्चों को बताएं कि किस तरह किसी का उनको छूना गलत है। बालिकाओं के आस-पास काम करने वाले लोगों की पुलिस वेरिफिकेशन होनी चाहिए। जब कोई अपराध करता हुआ पकड़ा जाता है तो उसे फास्ट ट्रैक कोर्ट के जरिए जल्द से जल्द सजा मिलनी चाहिए। अपराधियों को जल्द सजा समाज में सख्त संदेश देती है कि ऐसा अपराध करने वाले बच नहीं सकते। बालिका एवं बच्चों के यौन अपराधियों को सजा देने के लिए खास कानून है- पॉक्सो यानि प्रोटेक्शन ऑफ चिल्ड्रन फ्रॉम सेक्शुअल ऑफिंसेस। इस कानून का मकसद बालिकाओं एवं बच्चों के साथ यौन अपराध करने वालों को जल्द से जल्द सजा दिलाना है, इस कानून का सही परिप्रेक्ष्य में तत्परता से पालन होना चाहिए।

क्या गिरते ग्राफ के कारण झुंझलाहट में है मायावती?

अशोक भाटिया

बहुजन समाज पार्टी के राज्य कार्यालय में रविवार को बसपा प्रमुख मायावती ने बैठक में बड़ा फैसला लिया। उन्होंने अपने भतीजे आकाश आनंद को पार्टी के सभी पदों से हटा दिया । उनकी जगह पर अपने भाई आनंद कुमार और रामजी गौतम को पार्टी का राष्ट्रीय कोओर्डिनेटर बनाया गया है। इनके जिम्मेदारियों के बारे में भी बताया गया ।मायावती ने अपने बयान में कहा कि आकाश आनंद को पार्टी के सभी पदों से हटा दिया गया है। आकाश आनंद को हटाने के पीछे इसकी सारी जिम्मेवारी उनके ससुर अशोक सिद्धार्थ की है। अशोक ने पार्टी के नुकसान पहुंचाने के साथ ही साथ आकाश के राजनीतिक कैरियर को भी खराब कर दिया है। आकाश के स्थान पर उनके छोटे भाई आनंद कुमार ही पार्टी का सभी कार्य करते रहेंगे। आनंद पार्टी के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष के साथ ही साथ राष्ट्रीय कोआर्डिनेटर भी बनाया गया है। उनका पूरा सहयोग करने के लिए रामजी गौतम को भी नेशनल कोओर्डिनेटर की जिम्मेदारी दी है। इन दोनों में से आनंद कुमार का प्रमुख कार्य दिल्ली में अधिक रहकर पार्टी का पूरा पेपर वर्क अन्य जरूरी कार्य देखेना होगा। साथ ही पूरे देश में अपना सम्पर्क बनाकर रखेंगे। वहीं रामजी गौतम पूरे देश और हर राज्यों में जाकर पार्टी की प्रगति रिपोर्ट लेंगे। पार्टी के जनाधार को भी बढ़ाने के लिए उनके द्वारा दिए गये निदेशों का पालन कराएंगे। बसपा चीफ ने साल 2019 में आनंद को पार्टी का राष्ट्रीय समन्वयक बनाया था। वहीं, अपने ही भाई को पार्टी के उपाध्यक्ष की जिम्मेदारी सौंपी थी। अब इंडियन एक्सप्रेस की रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से कहा जा रहा है कि ताजा फैसले के जरिए मायावती संदेश देना चाहती हैं कि बसपा का मिशन उनके परिवार से पहले आता है ।इसके अलावा कहा यह भी जा रहा है कि दोनों को पद दिए जाने के बाद मायावती पर वंशवाद फैलाए जाने के आरोप लग रहे थे। रिपोर्ट के अनुसार, पार्टी के अंदरूनी सूत्र बताते हैं कि बसपा के वरिष्ठ नेताओं का एक वर्ग आनंद के बढ़ते कद से खास खुश नहीं था।

उत्तरप्रदेश की नगीना सीट से सांसद चंद्रशेखर आजाद दलित युवाओं में खासे लोकप्रिय हैं। साथ ही वह पार्टी के नाम के साथ ही इस बात पर दावा पेश करते नजर आ रहे हैं कि वह ही कांशीराम की राजनीतिक विरासत के उत्तराधिकारी हैं। अब कहा जा रहा है कि आनंद को पद से हटाए जाने के जरिए मायावती यह दिखाने की कोशिश में भी हैं कि वह कांशीराम की विरासत की असली उत्तराधिकारी हैं। बताया तो यह भी जा रहा है कि बहुजन समाज पार्टी का किला लगातार ढहता जा रहा है। लोकसभा चुनाव 2024 में बहुजन समाज पार्टी 10 सीटों से शून्य पर आ गई। इसके बाद उत्तर प्रदेश की नौ विधानसभा सीटों पर उपचुनाव हुआ, इसमें भी पार्टी का खाता तक नहीं खुला। हरियाणा, झारखंड, महाराष्ट्र, जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनाव में भी बसपा की हालत खराब ही रही ।दिल्ली विधानसभा चुनाव में पार्टी कुछ खास नहीं कर पाई। पार्टी के खराब प्रदर्शन के पीछे राजनीतिक विश्लेषक सबसे बड़ा कारण पार्टी से नेताओं की विदाई मान रहे हैं। उनका मानना है कि अब पार्टी के पास पहले जैसे कद्दावर नेता बचे नहीं हैं। यही वजह है कि पार्टी को इसका लगातार नुकसान उठाना पड़ रहा है ।साथ ही बसपा के खराब प्रदर्शन से पार्टी के अस्तित्व पर संकट खड़ा हो गया है। गौरतलब है कि उत्तर प्रदेश में जो पहले कभी नहीं हुआ था वह पहली बार बहुजन समाज पार्टी ने साल 2007 में अकेले दम पर कर दिखाया था। बीएसपी ने 212 सीटों के प्रचंड बहुमत के साथ उत्तर प्रदेश की सत्ता पर अधिकार जमाया ।इससे पहले भी तीन बार बीएसपी सुप्रीमो मायावती विभिन्न पार्टियों के सहयोग से सरकार बनाती रहीं, लेकिन चौथी बार जब मायावती की सरकार बनी तो किसी भी दल की जरुरत बीएसपी को नहीं पड़ी। हालांकि 2012 आते-आते पार्टी का ग्राफ गिरने लगा। चाहे लोकसभा चुनाव हो या फिर विधानसभा, पार्टी को उम्मीद के मुताबिक सफलता नहीं मिली। 2019 में बहुजन समाज पार्टी ने समाजवादी पार्टी के साथ मिलकर चुनाव लड़ा और 10 सीट पाने में कामयाब हुई ।एक समय पार्टी में नसीमुद्दीन सिद्दीकी और इंद्रजीत सरोज का जलवा था। पर 2022 में उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव हुआ। पार्टी ने अकेले दम पर चुनाव लड़ा। बलिया की रसड़ा विधानसभा सीट को छोड़ पार्टी कहीं भी नहीं जीत पाई। रसड़ा के बारे में माना जाता है कि यहां से विधायक उमाशंकर सिंह निर्दलीय भी लड़े तो भी जीतने में सक्षम हैं। 2024 के लोकसभा चुनाव में फिर से पार्टी ने अकेले लड़ने का फैसला किया। लेकिन पार्टी का खाता तक नहीं खुला।

बहुजन समाज पार्टी की उत्तर प्रदेश में चार बार सरकार रही। बसपा सुप्रीमो मायावती का टेरर इस कदर था कि पार्टी के नेता और सरकारी अधिकारी उनसे घबराते रहे। पार्टी में उस समय ऐसे कद्दावर नेता थे जो दूसरी पार्टियों में नहीं थे। इनमें नसीमुद्दीन सिद्दीकी को मायावती के बाद दूसरे नंबर का माना जाता था ।आरके चौधरी का नाम बसपा के बड़े नेताओं नें शामिल था। पार्टी से बाहर होने के बाद सपा से सांसद हैं। स्वामी प्रसाद मौर्य, रामअचल राजभर, बाबू सिंह कुशवाहा, इंद्रजीत सरोज, आरके चौधरी, लाल जी वर्मा और अशोक सिद्धार्थ जैसे बड़े नेता पार्टी में थे। सिर्फ उत्तर प्रदेश ही नहीं देशभर में पार्टी का दबदबा था। धीरे-धीरे पार्टी के नेताओं पर अनुशासनहीनता का आरोप लगाते हुए बीएसपी सुप्रीमो ने एक्शन लेना शुरू किया और उन्हें पार्टी से बाहर कर दिया ।ज्यादातर नेताओं ने समाजवादी पार्टी का दामन थाम लिया और वर्तमान में विधायक, सांसद और राष्ट्रीय महासचिव तक बने हुए हैं, जबकि बहुजन समाज पार्टी की स्थिति यह हो गई है कि मायावती के बाद कोई ऐसा नामचीन चेहरा पार्टी में नहीं रह गया है जो जनता से सीधे तौर पर जुड़ा हो। गौर करने वाली बात यह भी है कि बसपा सुप्रीमो मायावती चुनाव में गिनी चुनी जनसभाएं ही करती हैं, जिसके चलते जनता पर उसका प्रभाव भी नहीं पड़ रहा है। यही वजह है कि देशभर में लोकसभा और विधानसभा चुनाव लड़ने के बाद भी पार्टी की एक भी सीट नहीं निकल पा रही है ।बसपा सुप्रीमो मायावती अपने सख्त एक्शन के लिए हमेशा से जानी जाती हैं। बुधवार (12 फरवरी) को भतीजे आकाश आनंद के ससुर अशोक सिद्धार्थ पर कार्रवाई कर नेताओं को एक बार फिर कड़ा संदेश दिया था कि पार्टी में अनुशासनहीनता बिल्कुल बर्दाश्त नहीं होगी, फिर चाहे कोई कितना भी करीबी क्यों न हो। मायावती ने पार्टी से भतीजे आकाश आनंद के ससुर अशोक सिद्धार्थ को बाहर कर दिया था ।

मायावती की कार्रवाई का अंदाजा इस बात से भी लगाया जा सकता है कि जब लोकसभा चुनाव के दौरान भतीजे आकाश आनंद ने सीतापुर में रैली के दौरान कुछ ऐसा भाषण दिया जो मायावती को नागवार गुजरा। इसके बाद उन्होंने अपने भतीजे पर ही कार्रवाई कर दी। पार्टी का उत्तराधिकारी घोषित करने के बाद उनसे यह अधिकार वापस ले लिया। हालांकि जब सब मामला शांत हो गया तब फिर से भतीजे को वही पद वापस किया। राजनीतिक विश्लेषक मनमोहन का कहना है कि बहुजन समाज पार्टी की बागडोर जब कांशीराम के हाथ में थी, तब जो नेता थे, वे धीरे-धीरे आज पार्टी से अलग हो गए। आरके चौधरी, नसीमुद्दीन सिद्दीकी, बाबू सिंह कुशवाहा ने पार्टी की स्थापना में योगदान दिया था। विभिन्न जातियों के पिछड़े, दलित इस तरह के तमाम नेता पार्टी से जुड़े और अलग हो गए। इसमें एक नाम बृजेश पाठक का भी आता है जो बहुजन समाज पार्टी से बाद में जुड़े। दो बार मायावती ने उन्हें राज्यसभा भेजा। बाद में वही पार्टी से अलग हो गए। उनके पार्टी से अलग होने का कारण दूसरा था। नसीमुद्दीन सिद्दीकी का भी कारण एक अलग तरह का ही था। बाद में स्वामी प्रसाद मौर्य चले गए। मायावती की पार्टी उत्तर प्रदेश में हाशिए पर जा रही है। विधानसभा में संख्या घटकर एक रह गई है। दूसरे राज्य में उनका उतना लाभ नहीं मिल रहा है। राजनीतिक विश्लेषक मनमोहन बताते हैं कि उत्तर प्रदेश में जब मायावती की सरकार बनी थी तो उन्होंने पहली जनसभा गोरखपुर में की थी। उस दौरान वहां के मंडलायुक्त ओमप्रकाश थे, वह मायावती के सजातीय थे, लेकिन सबसे पहले करवाई उन्होंने ओम प्रकाश पर ही की थी। उन्हें निलंबित कर दिया था। इससे समझा जा सकता है कि एक्शन लेने के मामले में मायावती जरा भी देरी नहीं करती हैं। ऐसा भी कहा जा सकता है कि यही उनकी यूएसपी भी है।

मायावती ने दो बड़ी घोषणाएं की हैं, एक उत्तराधिकारी को लेकर और दूसरा राजनीतिक परिवारों में वो किसी तरह की रिश्तेदारी नहीं करेंगी। आकाश आनंद का अशोक सिद्धार्थ के एक राजनीतिक परिवार में रिश?ता किया गया था। ऐसे में दोनों घोषणाओं को अशोक सिद्धार्थ और आकाश आनंद से जोड़कर के देखा जा रहा है। आकाश आनंद लोकसभा चुनाव के दौरान जिस आक्रामकता के साथ प्रचार करते नजर आए थे, उससे ऐसा लगा था कि पार्टी में अब चेहरा आकाश आनंद ही बचे हैं। हालांकि एक युवा और आक्रामक नेता होने के बावजूद पार्टी को चुनाव में कोई फायदा नहीं हुआ। बसपा के राष्ट्रीय पदाधिकारियों की बैठक में यह तय किया गया कि पार्टी मजबूती से पहले अपने संगठन को ठीक करेगी और वोट बैंक तक पहुंचेगी। उत्तर प्रदेश में 2027 में होने वाला विधानसभा चुनाव कहीं न कहीं बसपा के राजनीतिक भविष्य का तय करने वाला चुनाव होगा। यदि पिछले चुनावों जैसी हालत ही इस बार भी होती है तो बसपा बचेगी या उस पर संकट आ जाएगा, यह बड़ा सवाल है।

पच्चास साल बाद होने वाली परिसीमन को लेकर चिंताएँ

-डॉ सत्यवान सौरभ

उचित प्रतिनिधित्व सुनिश्चित करने के लिए अधिक आबादी वाले राज्यों के लिए अधिक सीटें जोड़ते हुए वर्तमान सीट अनुपात को बनाए रखना महत्त्वपूर्ण है। राज्यसभा के समान एक मॉडल प्रगतिशील राज्यों को नुकसान पहुँचाए बिना एक संतुलित दृष्टिकोण प्रदान कर सकता है। सीटों का पुनर्वितरण करते समय, हमें आर्थिक योगदान, विकास मीट्रिक और शासन प्रभावशीलता को ध्यान में रखना चाहिए। सतत विकास लक्ष्यों (एसडीजी) को प्राप्त करने वाले राज्यों को विशेष राजनीतिक प्रतिनिधित्व दिया जा सकता है, जो अच्छे शासन को पुरस्कृत करता है। क्षेत्रीय संतुलन बनाए रखने और तेजी से बढ़ते राज्यों के प्रभुत्व को रोकने के लिए कानूनी उपाय किए जाने चाहिए। संसद के भीतर एक क्षेत्रीय परिषद की स्थापना से कम प्रतिनिधित्व वाले राज्यों के हितों की वकालत करने में मदद मिल सकती है। 2031 की जनगणना के बाद एक क्रमिक दृष्टिकोण हितधारकों के साथ चर्चा और एक सहज संक्रमण की अनुमति देगा। किसी भी परिसीमन से पहले, एक राष्ट्रीय आयोग को संभावित प्रभावों का आकलन करना चाहिए और आवश्यक सुरक्षा उपाय सुझाने चाहिए। राज्य सरकारों के लिए स्थापित चैनलों के माध्यम से परिसीमन वार्ता में सक्रिय रूप से भाग लेना महत्त्वपूर्ण है। सहकारी संघवाद को प्रोत्साहित करने के लिए किसी भी सीट पुनर्वितरण को अंतिम रूप देने से पहले अंतर-राज्य परिषद के साथ अनिवार्य परामर्श होना चाहिए। एक सुनियोजित परिसीमन प्रक्रिया जनसांख्यिकीय वास्तविकताओं को संघवाद की अखंडता से जोड़ सकती है। क्षेत्रीय असमानताओं से बचने के लिए, हमें दोहरे प्रतिनिधित्व मॉडल, भारित मतदान या राज्यसभा की शक्तियों को बढ़ाने जैसी नवीन रणनीतियों पर विचार करना चाहिए।

राजकोषीय संघवाद और संस्थागत ढांचे को मजबूत करके, हम यह सुनिश्चित कर सकते हैं कि राजनीतिक निष्पक्षता जनसांख्यिकीय परिवर्तनों के साथ संरेखित हो, जिससे एक सुसंगत और एकजुट भारत को बढ़ावा मिले। लोकसभा सीटों की संख्या बढ़ाने से नागरिकों को बेहतर प्रतिनिधित्व मिलेगा, जिससे निर्वाचन क्षेत्रों का आकार छोटा होगा और शासन में सुधार होगा। संसदीय सीटों को 543 से बढ़ाकर 800 से अधिक करने से संसद सदस्य मतदाताओं की जरूरतों को अधिक प्रभावी ढंग से सम्बोधित कर सकेंगे। निश्चित सीट आवंटन के कारण उत्तरी राज्यों को कम प्रतिनिधित्व का सामना करना पड़ा है और परिसीमन इन ऐतिहासिक असंतुलनों को सुधारने का एक मौका प्रदान करता है। बिहार का प्रतिनिधित्व अभी भी 1971 के आँकड़ों पर आधारित है, बावजूद इसके कि इसकी जनसंख्या में काफी वृद्धि हुई है। नवीनतम जनगणना आँकड़ों के अनुसार निर्वाचन क्षेत्रों को संशोधित करने से लोकतांत्रिक समानता को बढ़ावा मिलेगा और चुनावी प्रतिनिधित्व में जनसंख्या असमानताओं को रोका जा सकेगा। झारखंड, जिसे 2000 में बिहार से अलग कर दिया गया था, अभी भी पुरानी निर्वाचन संरचना का पालन कर रहा है, जो राजनीतिक स्पष्टता को कम करता है। अधिक आबादी वाले राज्यों से सांसदों की संख्या में वृद्धि विकास सम्बंधी असमानताओं की ओर ध्यान आकर्षित करेगी, जिससे यह सुनिश्चित होगा कि नीतिगत हस्तक्षेप अविकसित क्षेत्रों की ओर लक्षित हों। मध्य प्रदेश और राजस्थान जैसे राज्यों के लिए अधिक संख्या में सांसदों से बेहतर बुनियादी ढाँचा नियोजन और निवेश का बेहतर आवंटन हो सकता है। प्रगतिशील राज्यों की घटती भूमिका संघवाद और निष्पक्ष राजनीतिक प्रतिनिधित्व को नुकसान पहुँचाती है। प्रभावी शासन वाले दक्षिणी राज्यों का प्रभाव कम हो सकता है, जिससे ठोस नीति प्रबंधन के लिए प्रेरणा कम हो सकती है। केरल की उच्च साक्षरता दर से प्रेरित विकास पर्याप्त सीट आवंटन में तब्दील नहीं हो सकता है, जिससे अन्य राज्य समान रणनीति अपनाने से हतोत्साहित हो सकते हैं। अधिक आबादी वाले राज्यों के लिए अधिक प्रतिनिधित्व केंद्रीकृत नीति निर्माण की ओर रुझान को जन्म दे सकता है, जो क्षेत्रीय शासन स्वायत्तता को प्रतिबंधित कर सकता है। कृषि राज्यों के पक्ष में विधायी समायोजन औद्योगिक क्षेत्रों की जरूरतों की उपेक्षा कर सकते हैं, जिससे आर्थिक संतुलन बाधित हो सकता है। यह राजनीतिक पुनर्संरेखण वित्त आयोग द्वारा करों के आवंटन को प्रभावित कर सकता है, जो संभावित रूप से बड़ी आबादी वाले राज्यों के पक्ष में हो सकता है। अपने महत्त्वपूर्ण आर्थिक इनपुट के बावजूद, तमिलनाडु और महाराष्ट्र कम प्रतिनिधित्व के कारण अपने राजकोषीय हितों की रक्षा करने के लिए संघर्ष कर सकते हैं। केवल जनसंख्या के आधार पर प्रतिनिधित्व में वृद्धि उत्तर और दक्षिण के बीच विभाजन को बढ़ा सकती है, जिससे क्षेत्रीय तनाव पैदा हो सकता है। तमिलनाडु में राजनीतिक दल परिसीमन के खिलाफ हैं, उन्हें डर है कि अधिक हिन्दी भाषी आबादी वाले राज्यों को सत्ता का नुकसान होगा, जिससे राजनीतिक परिदृश्य और अधिक विखंडित हो सकता है। निष्पक्ष प्रतिनिधित्व सुनिश्चित करने के लिए अधिक आबादी वाले राज्यों के लिए अधिक सीटें जोड़ते हुए वर्तमान सीट अनुपात को बनाए रखना महत्त्वपूर्ण है। राज्यसभा जैसा मॉडल प्रगतिशील राज्यों को नुकसान पहुँचाए बिना संतुलित दृष्टिकोण प्रदान कर सकता है। सीटों का पुनर्वितरण करते समय, हमें आर्थिक योगदान, विकास मीट्रिक और शासन प्रभावशीलता को ध्यान में रखना चाहिए। सतत विकास लक्ष्यों (एसडीजी) को प्राप्त करने वाले राज्यों को विशेष राजनीतिक प्रतिनिधित्व दिया जा सकता है, जो अच्छे शासन को पुरस्कृत करता है। क्षेत्रीय संतुलन बनाए रखने और तेजी से बढ़ते राज्यों के प्रभुत्व को रोकने के लिए कानूनी उपाय किए जाने चाहिए। संसद के भीतर एक क्षेत्रीय परिषद की स्थापना से कम प्रतिनिधित्व वाले राज्यों के हितों की वकालत करने में मदद मिल सकती है। 2031 की जनगणना के बाद एक क्रमिक दृष्टिकोण हितधारकों के साथ चर्चा और एक सहज संक्रमण की अनुमति देगा। किसी भी परिसीमन से पहले, एक राष्ट्रीय आयोग को संभावित प्रभावों का आकलन करना चाहिए और आवश्यक सुरक्षा उपाय सुझाने चाहिए। राज्य सरकारों के लिए स्थापित चैनलों के माध्यम से परिसीमन वार्ता में सक्रिय रूप से भाग लेना महत्त्वपूर्ण है। सहकारी संघवाद को प्रोत्साहित करने के लिए किसी भी सीट के पुनर्वितरण को अंतिम रूप देने से पहले अंतर-राज्य परिषद के साथ अनिवार्य परामर्श होना चाहिए। एक सुनियोजित परिसीमन प्रक्रिया जनसांख्यिकीय वास्तविकताओं को संघवाद की अखंडता से जोड़ सकती है। क्षेत्रीय असमानताओं से बचने के लिए, हमें दोहरे प्रतिनिधित्व मॉडल, भारित मतदान या राज्यसभा की शक्तियों को बढ़ाने जैसी नवीन रणनीतियों पर विचार करना चाहिए। राजकोषीय संघवाद और संस्थागत ढांचे को मजबूत करके, हम यह सुनिश्चित कर सकते हैं कि राजनीतिक निष्पक्षता जनसांख्यिकीय परिवर्तनों के साथ संरेखित हो, जिससे एक सुसंगत और एकजुट भारत को बढ़ावा मिले।

रेखा सरकार के सामने चुनौतियों का अंबार

हर दौर में राजनीति के केंद्र में कुछ ही मुद्दे होते हैं, जिनके इर्द-गिर्द ही पूरी राजनीति चलती है और उन्हीं को ध्यान में रखते हुए कदम भी उठाती है। इसे राजनीति का युगबोध भी कह सकते हैं। मौजूदा राजनीति के केंद्र में दलित, पिछड़ा और महिलाओं से जुड़े मुद्दे ही हैं। शायद इसी वजह से बीजेपी पर उसके विरोधी आरोप लगाते रहते थे कि वह महिलाओं की बात तो खूब करती है, लेकिन उसके पास कोई महिला मुख्यमंत्री नहीं है। विरोधियों के आरोप को इससे भी दम मिलता था कि देश के 19 राज्यों और दो केंद्र शासित प्रदेशों में बीजेपी की सरकारें हैं। फिर बीजेपी महिला सम्मान और बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ जैसी योजनाओं की बात भी खूब करती है। दिल्ली की जनता ने जब 27 साल के अंतराल के बाद बीजेपी को सत्ता सौंपी, तभी तकरीबन तय हो गया कि दिल्ली को इस बार महिला मुख्यमंत्री मिल सकती है। इस दौड़ में रेखा गुप्ता आगे निकल गईं और अब दिल्ली की कमान उनके हाथ है।

रेखा गुप्ता को देश की राजधानी की कमान तो मिल गई है, लेकिन उनके लिए राजधानी की सत्ता फूलों की सेज नहीं है, बल्कि कांटों भरी राह है। उनके सामने चुनौतियां ही चुनौतियां हैं। मोटे तौर पर अगर विचार करें तो उन पर यमुना की सफाई कराने, राजधानी को स्वच्छ वातावरण मुहैया कराने के साथ ही महिला सम्मन निधी देने, मुफ्त की सुविधाएं जारी रखने, और राज्य का स्वास्थ्य ढांचा बेहतर बनाने का दबाव ज्यादा रहेगा। बीजेपी ने केजरीवाल सरकार के भ्रष्टाचार और शीश महल को बड़ा मुद्दा बनाया था, इसलिए रेखा गुप्ता सरकार के सामने दिल्ली में स्वच्छ प्रशासन देना भी बड़ी चुनौती होगी और इसके जरिए उन्हें अरविंद केजरीवाल के सामने बड़ी लकीर खींचनी होगी। रेखा गुप्ता राजधानी दिल्ली की राजनीति में मौजूद बीजेपी दिग्गजों के सामने जूनियर भी हैं। इसलिए वरिष्ठ नेताओं से समन्वय बनाने और उनके सहयोग से संगठन को भी आगे बढ़ाने की जिम्मेदारी रहेगी।

भारतीय जनता पार्टी ने चुनाव के दौरान वादा किया था कि वह दिल्ली की कभी लाइफ लाइन रही यमुना की सफाई कराएगी। पार्टी ने नदी को स्वच्छ बनाने के साथ ही उसके सौंदर्यीकरण का भी वादा किया था। नदी सफाई का काम शुरू हो चुका है। लेकिन नदी में गिरने वाले नालों के पानी को साफ करने की अभी तक कोई ठोस योजना शुरू नहीं हुई है। चूंकि बीजेपी का एक उद्देश्य यमुना के पानी को पवित्र बनाना भी है, लिहाजा उसे इस दिशा में ठोस पहल करनी ही होगी। दिल्ली की सरकार में अघोषित तौर पर नंबर दो की हैसियर रखने और केजरीवाल को चुनावी चौसर पर मात देने वाले प्रवेश वर्मा चुनाव अभियान के आखिरी दौर में केजरीवाल की होर्डिंग को यमुना में डुबाकर दिल्ली के सामने यमुना की गंदगी को मुद्दा बना चुके हैं। लिहाजा यमुना की सफाई के लिए रेखा गुप्ता सरकार को प्राणपण से लगना होगा। अगर एक खास अवधि में यमुना साफ होती नहीं दिखी तो आंदोलन से उभरी केजरीवाल राजनीति इसे मुद्दा बनाकर रेखा गुप्ता सरकार की नाक में दम करने से नहीं चूकेगी। वैसे भी दिल्ली में करीब पैंतीस फीसद तक हिस्सेदार हो चुकी पूर्वांचली जनसंख्या का लोक पर्व छठ पानी के ही किनारे मनाया जाता है। अगर साल-दो साल बाद उसे साफ यमुना नहीं मिली तो उसका मन बदल सकता है। कहना न होगा कि इस जनसंख्या ने इस बार बीजेपी पर भरोसा ज्यादा जताया है।

दिल्ली की नवेली रेखा सरकार पर राजधानी में स्वच्छ हवा और वातावरण मुहैया कराने की भी बड़ी चुनौती है। वैसे भी वायु प्रदूषण के मामले में दिल्ली की हालत देश में सबसे खराब है। सर्दी के मौसम में कई साल से यहां सामान्य सांस लेना भी मुश्किल हो जाता है। पूरी राजधानी धूल और धुएं के चादर से ढंक जाती है। अरविंद और बाद में आतिशी सरकार पर आरोप रहा कि राजधानी दिल्ली के लोगों को सांस लेने के लिए स्वच्छ हवा तक नहीं मुहैया नहीं करा सकी। अब रेखा गुप्ता सरकार पर जिम्मेदारी है कि वह राजधानी दिल्ली को स्वच्छ हवा और वातावरण मुहैया कराए। उन्हें वायु प्रदूषण हर हाल में कम करना ही होगा। बीजेपी ने विधान सभा चुनाव के वक्त इस बात की गारंटी दी थी कि केजरीवाल सरकार द्वारा चलाई जा रही कल्याणकारी योजनाओं को बंद नहीं करेगी। उसने तो केजरीवाल सरकार की दो सौ यूनिट की बजाय तीन सौ यूनिट बिजली मुफ्त देने, मुफ्त पानी मुहैया कराने और स्वास्थ्य सुविधाएं बेहतर बनाने का वादा भी किया था। इस दिशा में रेखा सरकार को तेजी से काम करना होगा, अन्यथा मुफ्त की आदत वाली जनता का मन बदलते देर नहीं लगेगी। चुनाव अभियान के दौरान बीजेपी ने दिल्ली की महिलाओं को हर महीने 2500 रुपए देने का वादा किया था, जो केजरीवाल की पार्टी के 2100 रूपए महीने के वायदे से ज्यादा है। महिलाएं आज की राजनीति की धुरी बनती जा रही हैं। बीजेपी और रेखा गुप्ता सरकार पर दबाव रहेगा कि वह महिलाओं के लिए सम्माननिधि की घोषणा ना सिर्फ जल्द करे, बल्कि उसे सुचारू तरीके से लागू भी करे।

केजरीवाल सरकार द्वारा बहुप्रचारित स्वास्थ्य और शिक्षा मॉडल के खोखलेपन को भी बीजेपी ने मुद्दा बनाया था। रेखा सरकार के सामने दिल्ली की सरकारी शिक्षा व्यवस्था को दुरूस्त करने के साथ ही स्वास्थ्य सेवा के प्रति लोगों में भरोसा बहाल करने और बेहतर सुविधा मुहैया कराने का दबाव रहेगा। वैसे भी दिल्ली के सरकारी अस्पतालों पर दूसरे राज्यों के मरीजों के इलाज का दबाव ज्यादा रहता है। लिहाजा रेखा सरकार पर अस्पतालों की लंबित परियोजनाएं पूरा करना और सुपर स्पेशियलिटी अस्पतालों की संख्या बढ़ाने की चुनौती है। दिल्ली के बड़े सरकारी अस्पतालों की ओपीडी, दवा काउंटर पर मरीज घंटों कतार में लगने को मजबूर हैं। जांच व इलाज में वेटिंग बड़ी समस्या है। इसकी वजह यह है कि दिल्ली के सरकारी अस्पताल डॉक्टर, नर्सिंग व पैरामेडिकल कर्मियों की भारी कमी से जूझ रहे हैं। दिल्ली हाई कोर्ट द्वारा गठित कमेटी भी अपनी रिपोर्ट में इन समस्याओं को उठा चुकी है। दिल्ली में 24 अस्पतालों की परियोजनाएं लंबित हैं। इनमें सात आईसीयू अस्पताल, चार नए अस्पताल और 13 वर्तमान अस्पतालों की विस्तार परियोजनाएं शामिल हैं। ये परियोजनाएं पूरी होने पर दिल्ली सरकार के अस्पतालों में 16,186 बेड बढ़ जाएंगे। विधानसभा की पहली कार्यवाही बैठक में यह सवाल भी उठ चुका है। आंकड़ों के अनुसार दिल्ली के छह अस्पतालों का निर्माण कार्य 90 से 99 प्रतिशत और चार अस्पतालों का निर्माण कार्य 80 से 89 प्रतिशत तक पूरा हो चुका है। वैसे भी दिल्ली के स्वास्थ्य बजट का बड़ा हिस्सा अस्पतालों के संचालन व वेतन पर खर्च होता। लिहाजा स्वास्थ्य परियोजनाओं के लिए आवश्यक बजट जुटाना नई सरकार के लिए चुनौती है। दिल्ली में देश के किसी भी राज्य या शहर की तुलना में सबसे ज्यादा गाड़ियां हैं। इसकी वजह से सड़क हादसे भी यहां खूब होते हैं। दिल्ली सरकार को जहां सड़कों के निर्माण पर काम करना होगा, वहीं सार्वजनिक परिवहन सुविधा बढ़ानी होगी। इस बीच दिल्ली परिवहन निगम के बेड़े में शामिल दो हजार क्लस्टर बसों की मियांद पूरी होने वाली है। अगर ये बसें सड़कों से हटीं तो दिक्कतें बढ़ जाएंगी। इसका भी रेखा सरकार को ध्यान रखना होगा। इसके साथ ही सड़क हादसा पीड़ितों के इलाज के लिए दिल्ली में मौजूद दो ट्रामा सेंटरों की संख्या बढ़ानी होगी। दिल्ली के लोगों को नजदीक ही स्वास्थ्य सुविधाएं मिलें, इसके लिए प्राथमिक स्वास्थ्य सुविधाएं बढ़ाने की जरूरत है। केंद्र सरकार ने वर्ष 2021 में दिल्ली के लिए पीएम आयुष्मान भारत इंफ्रास्ट्रक्चर मिशन स्कीम (पीएम एबीएचआइएम) के तहत 2406.77 करोड़ रुपये की परियोजनाओं को स्वीकृति दी थी। जिसे आम आदमी पार्टी (आप) सरकार ने लागू नहीं किया। हालांकि अपनी पहली ही कैबिनेट बैठक में रेखा सरकार ने आयुष्मान योजना को मंजूरी दे दी है। इसके साथ ही बीमा कवर पांच लाख से बढ़ाकर दस लाख कर दिया है। लेकिन आयुष्मान योजना के तहत जो 1,139 अर्बन आयुष्मान आरोग्य मंदिर, 11 एकीकृत सार्वजनिक स्वास्थ्य लैब व नौ क्रिटिकल केयर सेंटर बनाए जाने हैं, उन पर तेजी से काम करना होगा।

दिल्ली की बीजेपी राजनीति में तमाम दिग्गज शामिल हैं। रेखा उनकी तुलना में जूनियर हैं। फिर वे पहली बार विधायक चुनी गई हैं। चूंकि उन्हें आलाकमान ने नियुक्त किया है, लिहाजा उनके खिलाफ खुलकर कोई शायद ही सामने आए, लेकिन दिग्गजों का अघोषित सहयोग और उनकी बेरूखी का सामना रेखा गुप्ता को करना पड़ सकता है। इसलिए उनके सामने अपने वरिष्ठ नेताओं से बेहतर समन्वय स्थापित करने की चुनौती भी होगी और सरकार के साथ ही संगठन के कामकाज में उन्हें अपना सहयोगी बनाना होगा। रेखा गुप्ता के पहले आतिशी भले ही मुख्यमंत्री रही हों, लेकिन उन्हें खड़ाऊं मुख्यमंत्री ही माना गया। अरविंद केजरीवाल को ही असली मुख्यमंत्री माना जाता रहा। केजरीवाल चूंकि देशव्यापी भ्रष्टाचार विरोधी राजनीति से उभरे हैं। लिहाजा उनकी छवि और कद बड़ा हो गया। रेखा गुप्ता जो भी काम करेंगी, उन कार्यों को लेकर उनकी तुलना अरविंद केजरीवाल से होगी। अगर वे सफल होती हैं तो वे बीजेपी के मूल वोटरों को तो पार्टी संगठन के साथ जोड़े रखेंगी, और केजरीवाल के मजबूत वोटर आधार बन चुके लोगों को भी अपनी ओर खींच सकती हैं। अगर वह ऐसा करने में नाकाम रहीं, तो फिर केजरीवाल के संगठन के हाथ आसान हथियार होगा।

-उमेश चतुर्वेदी

बजट स्मार्टफोन सेगमेंट में हलचल मचाएगा 'पोको M7 5G'

मुंबई। भारत के प्रमुख कंज्यूमर टेक्नोलॉजी ब्रांड्स में से एक, पोको अपने नए पोको M7 5G के साथ बजट स्मार्टफोन सेगमेंट में हलचल मचाने के लिए तैयार है। पोको ट7 में श्रेणी की सबसे बेहतरीन खूबियां हैं। यह 50MP के सोनी IMX852रियर कैमरा और 5160mAh बैटरी के साथ अपने सेगमेंट में अकेला फोन है जिसमें टीयूवी रेनलैंड ट्रिपल-सर्टिफाइड डिस्प्ले दिया गया है। यह मोबाइल देखने में बेहद कम्फर्ट, फोटोग्राफी और बैटरी लाइफ का जबर्दस्त संयोजन देता है। आज के डिजिटल दौर में, स्क्रीन पर बिताया जाने वाला समय लगातार बढ़ता जा रहा है, इसे समझते हुए पोको ने टीयूवी रेनलैंड का ट्रिपल सर्टिफिकेशन पेश किया है। यह आपकी आंखों को बेहतर सुरक्षा देता है, उन पर पड़ने वाले जोर को कम करता है और लंबे समय तक फोन का इस्तेमाल करने पर कंफर्ट सुनिश्चित करता है। चाहे गेमिंग हो, स्ट्रीमिंग हो या स्क्रॉलिंग, पोको M7 जेन जी यूजर्स को मोबाइल देखने का एक अलग ही अनुभव प्रदान करता है। इसका 50MP सोनी IMX852 कैमरा सटीक विवरण के साथ उच्च-गुणवत्ता वाली तस्वीरें खींचता है, जबकि एलईडी फ्लैश कम रोशनी में भी बेहतरीन तस्वीरें लेता है। यह डिवाइस फ्रंट और रियर दोनों कैमरों पर 30FPS पर 1080P वीडियो रिकॉर्डिंग को सपोर्ट करता है, इससे यह कंटेंट क्रिएटर्स और फोटोग्राफी के शौकीनों के लिए एकदम परफेक्ट साथी है। पोको M7 में एक विशाल 5160अँ बैटरी दी गई है, जो पूरे दिन का पावर बैकअप सुनिश्चित करती है। हालांकि, डिवाइस 18W फास्ट चार्जिंग को सपोर्ट करती है, लेकिन यह बॉक्स में 33W चार्जर के साथ आती है, जो बिना किसी रुकावट के लगातार इस्तेमाल के लिए बेहद तेज और शानदार चार्जिंग प्रदान करता है। IP52 रेटिंग के साथ, पोको M7 धूल और पानी के छींटों से सुरक्षा प्रदान करता है, जो रोजमर्रा के रोमांच के लिए इसके टिकाऊपन और विश्वसनीयता को बढ़ाता है।

नेक्स्ट भारत वेंचर्स ने 'द व्हाई क्लब' लॉन्च किया, 13 प्रभावशाली उद्यमियों के उद्घाटन समूह का खुलासा किया

मुंबई/पटना। सुजुकी मोटर कॉरपोरेशन की सहायक कंपनी नेक्स्ट भारत वेंचर्स ने द व्हाई क्लब लॉन्च करने की घोषणा की है, जो प्रभावशाली उद्यमियों के लिए और उनके द्वारा बनाया गया एक समुदाय है। यह पहल 13 इरादे संचालित स्टार्ट-अप को एक साथ लाती है, जहां 50 प्रतिशत संस्थापक महिलाएं हैं। इन स्टार्ट-अप्स को नेक्स्ट भारत के प्रमुख रेजीडेंसी प्रोग्राम के पहले समूह से चुना गया था। यह भारत में प्रभाव उद्यमिता के लिए एक मजबूत सहकर्मी-संचालित इकोसिस्टम को सक्षम करने में एक महत्वपूर्ण कदम है। इस पहल के हिस्से के रूप में नेक्स्ट भारत वेंचर्स समूह के सदस्यों की निवेश का मूल्यांकन कर रहा है और उनके विकास का समर्थन करने और उनके प्रभाव को बढ़ाने के लिए चुनिंदा स्टार्टअप्स को 1 करोड़ रुपये से लेकर 5 करोड़ रुपये तक की अतिरिक्त फंडिंग की पेशकश करने की योजना बना रहा है। पहला समूह पूरी तरह से टियर 2 और टियर 3 क्षेत्रों के सुदूर ग्रामीण क्षेत्रों के प्रभावशाली उद्यमियों से बना है। वे ग्रामीण आजीविका में महत्वपूर्ण अंतराल को हल करने, टिकाऊ कृषि, जैविक खाद्य उत्पादन और निष्पक्ष व्यापार प्रथाओं के माध्यम से परिवर्तन लाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। इस पहल के दृष्टिकोण को साझा करते हुए नेक्स्ट भारत वेंचर्स के सीईओ विपुल नाथ जिंदल ने कहा, ₹हम चाहते हैं कि व्हाई क्लब प्रभावशाली उद्यमियों का दुनिया का सबसे बड़ा आत्मनिर्भर, सह-निर्भर समुदाय बने। हम भारत में सामाजिक प्रभाव संचालित उद्यमिता की एक अलग श्रेणी बनाने के मिशन पर हैं, जहां हमने देखा है कि संस्थापक अक्सर अलगाव में अपनी सबसे कठिन चुनौतियों का सामना करते हैं। हमारा लक्ष्य यह सुनिश्चित करना है कि वे अपनी यात्रा में कभी भी अकेले महसूस न करें। उस विचार के साथ हम एक ऐसा प्लेटफॉर्म बना रहे हैं जहां वे पूंजी और वैश्विक नेटवर्क तक पहुंच प्राप्त करते हुए अपने साथियों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर काम कर सकते हैं, ज्ञान, संसाधनों और प्रेरणा का आदान-प्रदान कर सकते हैं। व्हाई क्लब अपने सदस्यों को एक संरचित सहायता प्रणाली प्रदान करता है, यह सुनिश्चित करते हुए कि उनके पास अपने प्रभाव को बढ़ाने के लिए आवश्यक सभी संसाधन हैं। इसमें 'पे-इट-फॉरवर्ड-फेलोशिप' शामिल है, जो एक वार्षिक रिकरिंग समुदाय-संचालित फंडिंग तंत्र है जो संस्थापकों को उनकी उद्यमशीलता यात्रा को बनाए रखने में मदद करने के लिए डिजाइन किया गया है। सदस्यों को बाजार के अवसरों तक पहुंच और रणनीतिक व्यापार विकास के लिए समर्थन के साथ-साथ अनुभवी संस्थापकों, उद्यम पूंजीपतियों और जमीनी स्तर के नेताओं के मार्गदर्शन से भी लाभ होगा। इसके अतिरिक्त, क्लब प्रभाव-संचालित स्टार्ट-अप को विश्व स्तर पर विस्तार करने में मदद करने के लिए भारत-जापान सहयोग को भी सक्रिय रूप से सुविधाजनक बनाएगा। नेक्स्ट भारत वेंचर्स का निवेश फिलॉस्फी उन इरादे-संचालित उद्यमियों की पहचान करने और उनका समर्थन करने पर केंद्रित है, जो उन उद्देश्यों से गहराई से जुड़े हुए हैं जिनके लिए वे काम करते हैं। चयन प्रक्रिया पारंपरिक व्यावसायिक मेट्रिक्स के साथ इरादे, प्रतिबद्धता और दीर्घकालिक प्रभाव क्षमता को प्राथमिकता देती है। तेजी से स्केलिंग और वैल्यूएशन पर केंद्रित पारंपरिक फंडिंग मॉडल से हटकर नेक्स्ट भारत वेंचर्स 'एलिफेंट एंटरप्रेन्योर' बनाने के लिए धैर्यवान पूंजी निवेश दृष्टिकोण अपनाता है। ये उद्यमी आर्थिक उतार-चढ़ाव के प्रति लचीले हैं, और त्वरित रिटर्न के बजाय सामुदायिक प्रभाव और स्थिरता को प्राथमिकता देते हैं। दीर्घकालिक, सार्थक परिवर्तन पर ध्यान केंद्रित करते हैं।

भारत में ई-कॉमर्स की बढ़त के पीछे महिलाओं की शक्ति: होम क्रेडिट इंडिया की स्टडी में सामने आए प्रमुख रुझान

मुंबई। महिलाएं भारत में ऑनलाइन शॉपिंग के विकास में सबसे आगे हैं, जिनमें से 60% सक्रिय रूप से ऑनलाइन खरीदारी कर रही हैं, वे अपने पुरुष समकक्षों से आगे निकल रही हैं और डिजिटल कॉमर्स को अपनाने की गति को तेज कर रही हैं। होम क्रेडिट इंडिया के 'हाउ इंडिया बारोज 2024 - ए स्टडी' के अनुसार, महिलाएं, मिलेनियल्स और जेन जेड के साथ मिलकर ई-कॉमर्स के भविष्य को आकार दे रही हैं, जिन्हें एम्बेडेड फाइनेंस सॉल्यूशंस के बढ़ते चलन से समर्थन मिल रहा है जो ऋण लेने को तेज और खरीदारी के अनुभव को आसान बनाते हैं। 'हाउ इंडिया बारोज 2024 अध्ययन में विकसित हो रहे उपभोक्ता रुझानों पर प्रकाश डाला गया है, जिससे पता चलता है कि ऑनलाइन शॉपिंग 2021 में 69% तक बढ़ गई, 2023 में 48% तक गिर गई, और 2024 में 53% तक फिर से बढ़ गई। इन-स्टोर शॉपिंग के पुनरुत्थान के बावजूद, डिजिटल कॉमर्स एक प्रमुख शक्ति बना हुआ है, जो काफी हद तक महिलाओं और युवा उपभोक्ताओं द्वारा संचालित है। 'हाउ इंडिया बारोज 2024 स्टडी के निष्कर्षों पर टिप्पणी करते हुए, होम क्रेडिट इंडिया के चीफ मार्केटिंग ऑफिसर, आशीष तिवारी ने कहा: ₹भारत में डिजिटल शॉपिंग का परिदृश्य महिलाओं द्वारा फिर से परिभाषित किया जा रहा है, जो न केवल ऑनलाइन शॉपिंग को अपनाने में आगे हैं बल्कि एम्बेडेड फाइनेंस में बदलाव को भी प्रभावित कर रही हैं। हमारी 'हाउ इंडिया बारोज 2024' स्टडी से पता चलता है कि महिलाएं आत्मविश्वास से डिजिटल टूल्स का लाभ उठा रही हैं, एआई-चालित सहायता पर भरोसा कर रही हैं, और अपने खरीदारी के अनुभव को बढ़ाने के लिए स्मार्ट ऋण साल्यूशन्स को अपना रही हैं।

पालघर जिला हिंदी साहित्य समिति का होली-काव्योत्सव तालियों की गड़गड़ाहट के साथ संपन्न

पालघर(उत्तरशक्ति/अजीत सिंह)। पालघर जिला हिंदी साहित्य समिति द्वारा आयोजित होली काव्योत्सव सोनोपंत दांडेकर महाविद्यालय की पूर्व विभागाध्यक्षा कुसुम शर्मा की अध्यक्षता में सफलतापूर्वक संपन्न हो गया। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में क्लासिकल संगीत के साधक अनिल पोतेदार उपस्थित रहे। इस मौके पर उन्होंने अपनी भूमिका का निर्वहन बड़ी ही सरलता-सहजता व कुशलता से करते हुए सभी का मन को मोह लिया। वहीं विशिष्ट अतिथि के रूप में काव्य सृजन न्यास के संस्थापक शिवप्रकाश जमदग्निपुरी जी व उमरौली,पालघर में स्थापित माँ शक्ति धाम के मुख्य महंत श्री संतोष राय जी महाराज के साथ पत्रकार जयप्रकाश जायसवाल उपस्थित रहे।होली काव्योत्सव कार्यक्रम की शुरूआत दीप प्रज्ज्वलन व माँ सरस्वती की पूजा करके की गई। इस मौके पर कुमारी कृतिका ने मधुर कण्ठ से माँ सरस्वती की वंदना गाकर उपस्थित श्रोताओं व मंचासीन सम्मानित सदस्यों की खूब तालियाँ बटोरी। समिति के संस्थापक व अध्यक्ष अमित दुबे ने अपने संचालन में श्रोताओं को साहित्य की विविध विधाओं से परिचित कराते हुए हास्य की छटाँ बिखेरी। कवि दुबे के बेहतरीन संचालन में कवि अरूप दुबे, शिव प्रकाश जमदग्निपुरी, कल्पेश यादव, सुधाकर मिश्रा, संपत उजाला, शेखर तिवारी, रेणु शुक्ला, अभय चौरसिया, शांताराम परदेशी, अवधेश विश्वकर्मा ने होली पर आधारित अपनी-अपनी कविताओं और गीतों से सबको लुभाया तथा अंत तक एक-दूसरे पर भारी होते रहे। स्पाइडर क्रिकेट अकादमी के संस्थापक ललित शुक्ल व सेवानिवृत्त प्राध्यापक सुधीर कुलकर्णी ने श्रोताओं को प्रोत्साहित किया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि अनिल पोतेदार ने अपनी शास्त्रीय शैली से सबके हदय जगह बना ली। शास्त्रीय गीतों में होली गीत व नाट्य गीतों पर उनके अलाप को श्रोता निःशब्द हो सुनते रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षा कुसुम शर्मा ने अपने संबोधन में साहित्य की प्रासंगिकता पर बल देते हुए साहित्य को आत्मसाथ करने को कहा। समिति की महासचिव श्रीमती रेणु शुक्ला ने सभी लोगों के प्रति आभार व्यक्त किया तथा सभी उपस्थित जनों से अल्पाहार ग्रहण करने की अपील करते हुए कार्यक्रम के समापन की घोषणा की।

पारिवारिक विवाद में हुआ खूनी संघर्ष, दोनो तरफ से चले चाकू

भिवंडी। भिवंडी शहर घुंघट नगर ईलाके में एक ही पारिवार के लोगों में मामूली विवाद देखते ही देखते खूनी संघर्ष में बदल गया। झगड़े के दौरान दोनों पक्षों ने एक-दूसरे पर चाकू से हमला कर किया, जिसमें तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए।

माथाड़ी मजदूर इकबाल अहमद गरीब उल्ला शाह अपनी बहन फातमा बानो के घर दावत में नहीं गया। इस बात को लेकर घर में कहासुनी हुई, जो देखते ही देखते हिंसक झगड़े में तब्दील हो गई। आरोप है कि फातमा बानो, मोहम्मद हीरा मंसूरी, गुड्डू हीरा मंसूरी और इरशाद मोहम्मद हीरा मंसूरी ने मिलकर इकबाल शाह के भाई रियाज और उसकी पत्नी नजीमा बानो पर चाकू से हमला कर दिया। हमले में दोनों बुरी तरह घायल हो गए। दूसरी ओर, फातमा बानो मोहम्मद हीरा मंसूरी ने पुलिस में शिकायत दर्ज करवाई है कि झगड़े के दौरान रियाज और इकबाल शाह ने उनकी मां के लिए आपत्तिजनक शब्दों का इस्तेमाल किया। बात इतनी बढ़ गई कि रियाज और इकबाल ने मिलकर फातमा बानो पर चाकू से हमला कर दिया, जिससे वह भी गंभीर रूप से घायल हो गई। घटना के बाद सभी हमलावर मौके से फरार हो गए। शहर पुलिस ने दोनों पक्षों की शिकायत पर मामला दर्ज कर लिया है और आरोपियों की तलाश में जुटी है।

आरपीएफ के प्रभारी निरीक्षक मदनलाल कटारिया की सम्मान के साथ की गई विदाई

भाईंदर (उत्तरशक्ति)। रेलवे सुरक्षा बल के तेजतर्रार और कर्तव्यनिष्ठ प्रभारी निरीक्षक मदनलाल कटारिया का कल सम्मान पूर्वक विदाई समारोह आयोजित किया गया। 2 मई, 2022 को भाईंदर आरपीएफ की कमान संभालने के बाद कटारिया ने शांति और सुरक्षा की दिशा में अभूतपूर्व काम किया। अनेक रेल यात्रियों की जान बचाई, रेल नियमों का उल्लंघन करने वाले अनेक लोगों को जेल भिजवाया। आम रेल यात्रियों के साथ उनका बड़ा सहयोगात्मक सम्बन्ध रहा। यही कारण है कि विदाई समारोह में अनेक गणमान्य लोगों ने शामिल होकर उन्हें शुभकामनाएं दी। विभागीय नियमानुसार उनका स्थानांतरण भरूच किया गया है। उनके स्थान पर श्री परिमल वानखेड़े को भाईंदर आरपीएफ का नया प्रभारी निरीक्षक बनाया गया है।

कटारिया के सम्मान में आयोजित कार्यक्रम में उपस्थित रहने वाले प्रमुख लोगों में लायंस क्लब के अध्यक्ष जगराम मौर्य, बिल्डर सकेंद्र छाजेड़, सीए विजय दरगड़, सीए श्रवण मालवीय सामाजिक कार्यकर्ता गोपाल लखोटिया, कुंज बिहारी, बिजनेस मेन भरत मेहता, प्रदीप, कंपनी सेकेट्री मनोज कुमार, महेश, आरपीएफ अंधेरी के प्रभारी निरीक्षक राजीव सिंह सलारिया, पालघर के प्रभारी निरीक्षक विनीत कुमार, रेलवे कल्याण निरीक्षक राकेश कुमार, लोको पायलट जगदीश चौहान, टीसी शर्मा जी,ळ्उ कौशल, स्टाफ के लोगों में सहायक उप निरीक्षक विनोद मान, उप निरीक्षक रोहितास सिंह, रेलवे कॉलोनी स्टाफ राजेश, मनीष , शक्ती सिंह ,नीरज, मुकेश आदि का समावेश रहा।

महाराष्ट्र भूषण डॉ. नानासाहेब धर्माधिकारी के जन्मदिन पर चलाया गया स्वच्छता अभियान

महाराष्ट्र भूषण तीर्थरूप डॉ. नानासाहेब धर्माधिकारी के जन्मदिन के मौके पर स्वच्छता अभियान में शामिल लोगों ने लगभग 23525 किलो गीला कचरा तथा करीब 21755 किलो सुखा कचरा इकट्ठा कर डंपिंग ग्राउंड भेज दिया गया। इस स्वच्छता अभियान में विभिन्न शहरों में तहसीलदार, नायब तहसीलदार, पुलिस निरीक्षक, ग्राम विकास अधिकारी व अन्य सरकारी अधिकारीयों के अलावा पूर्व नगराध्यक्ष, सरपंच, उपसरपंच , लोकप्रतिनिधि व विभिन्न राजनीतिक दलों के पदाधिकारी शामिल रहे।

पालघर(उत्तरशक्ति)। महाराष्ट्र भूषण तीर्थरूप डॉ. नानासाहेब धर्माधिकारी के जन्मदिन के मौके पर रविवार 2 मार्च 2025 को डॉ. श्री नानासाहेब धर्माधिकारी प्रतिष्ठान की ओर से स्वच्छता अभियान चलाया गया। यह अभियान पालघर जिले के पालघर शहर, बोईसर, दहानू, तलासरी तथा गुजरात राज्य में उंबरगांव व केंद्र शासित क्षेत्र सिलवासा आदि शहरों में कुल 35 स्थानों पर चलाए गए अभियान में करीब 2000 से अधिक लोगों ने स्वयंस्फूर्ति के साथ हिस्सा लिया।

ईडी ने 4,500 करोड़ रुपये के निवेश धोखाधड़ी मामले में की छापेमारी

मुंबई। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने सोमवार को कहा कि उसने मुंबई की एक कंपनी और उसके प्रवर्तकों द्वारा करीब 50 लाख जमाकताओं के साथ 4,500 करोड़ रुपये की कथित निवेश धोखाधड़ी से जुड़े धन शोधन मामले में छापेमारी की है। संघीय एजेंसी ने एक बयान में कहा कि पैनकार्ड क्लब्स लिमिटेड (पीसीएल), इसके पूर्व निदेशकों और अन्य के खिलाफ 28 फरवरी को छापे मारे गए। यह सेबी अधिनियम का उल्लंघन कर सामूहिक निवेश योजना (सीआईएस) के माध्यम से कथित धोखाधड़ी का मामला है, जिसमें 50 लाख से अधिक निवेशकों को कथित तौर पर 4,500 करोड़ रुपये से अधिक की ठगी का शिकार होना पड़ा।

मुंबई पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा (ईओडब्ल्यू) ने पैनकार्ड क्लब्स लिमिटेड और अन्य के खिलाफ महाराष्ट्र जमाकताओं के हितों का संरक्षण (वित्तीय प्रतिष्ठानों में) अधिनियम, 1999 के तहत मामला दर्ज किया था और ईडी ने धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत मामला दर्ज करने के लिए इसका संज्ञान लिया था।ईडी ने कहा कि पैनकार्ड क्लब्स लिमिटेड और उसके निदेशकों ने तीन से नौ साल की अवधि के लिए विभिन्न निवेश योजनाएं शुरू कीं, जिनमें होटल में छूट, दुर्घटना बीमा और जनता द्वारा जमा की गई राशि पर उच्च दर से रिटर्न सहित अन्य लाभ का वादा किया गया। इस प्रकार भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) और भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के मौजूदा मानदंडों की अनदेखी की गई।

अंबरनाथ में श्रीमद् भागवत कथा के चौथे दिन भक्तों का उमड़ा सैलाब

मुंबई। महानगर मुंबई से सटे अंबरनाथ पूर्व स्थित जेपी रीजेंसी में आयोजित श्रीमद् भागवत कथा के चतुर्थ दिवस पर श्रद्धालुओं का अपार जनसैलाब उमड़ पड़ा। भक्तों की अटूट श्रद्धा और भक्ति भाव से पूरा पंडाल खचाखच भर गया, जिससे वातावरण भक्तिमय हो उठा। कथावाचक वेंकटेशाचार्य श्री निलेश जी महाराज ने भगवान के भक्तों की महिमा का विस्तृत वर्णन करते हुए श्रद्धालुओं को आध्यात्मिक रस में सराबोर कर दिया। कथा के दौरान श्रीकृष्ण के जन्मोत्सव को अत्यंत धूमधाम और हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। विशेष रूप से श्रीकृष्ण जन्मोत्सव की भव्य झांकी श्रद्धालुओं के लिए आकर्षण का केंद्र बनी, जिसे देखकर भक्तगण भक्ति में लीन हो गए। श्रद्धालुओं के लिए विशेष व्यवस्था : आयोजक मंडल द्वारा कथा के समापन के पश्चात प्रतिदिन अल्पाहार की उत्तम व्यवस्था की जा रही है, जिससे श्रद्धालु प्रसन्नचित्त होकर आयोजन की भूरि-भूरि प्रशंसा कर रहे हैं। इसके साथ ही, बीच-बीच में शुद्ध पेयजल की सुविधा भी सुनिश्चित की गई है, जिससे श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो।

दो गोदामों में हुईं चोरी की घटनाएं, पुलिस ने किया मामला दर्ज

भिवंडी। भिवंडी में दो अलग- अलग गोदामों में चोरी की घटनाएं प्रकाश में आई है। पुलिस ने दोनों मामलों में अज्ञात चोरों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पहली घटना मेट्रो ब्रांड नामक फुटवेयर कंपनी के गोदाम में घटी। यह गोदाम अरिहंत कंपाउंड, भगवान एस्टेट, पूर्णा गांव में स्थित है। शिकायतकर्ता सोनू कुमार बाबुलाल कुमावत ने नारपोली पुलिस को बताया कि १२ फरवरी की रात से १३ फरवरी की सुबह के बीच अज्ञात चोरों ने गोदाम में सेंध लगाकर करीब ४७,११२ रुपए मूल्य के शूज, बैग, बेल्ट और सैंडल चोरी कर लिए। कंपनी प्रबंधन ने तुरंत पुलिस को सूचना दी, जिसके बाद मामला दर्ज किया गया।

दूसरी घटना फोड़ा घाट फामेर्सी एलएलपी कंपनी के गोदाम में हुई, जो गाला नंबर ५, ६, भूमि बिल्डिंग, पिंपलास, भिवंडी में स्थित है। २२ व २३ फरवरी की रात को इस गोदाम से २० ह हजार मूल्य का सामान चोरी हो गया। २७ फरवरी को व्यवसायी योगेश रविन्द्र प्रभु ने इसकी शिकायत कोनगांव पुलिस ठाणे में दर्ज कराई है।, जिसके बाद पुलिस ने मामला दर्ज किया। पुलिस दोनों मामलों की जांच में जुटी हुई है और आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है। पुलिस ने व्यापारियों से सतर्क रहने और गोदामों की सुरक्षा बढ़ाने की अपील की है।

उत्तरशक्ति
* संपादकः ओमप्रकाश प्रजापति
* उप संपादकः प्रेम चंद मिश्रा
*प्रबंध संपादकः डा. शेषधर बिन्द
उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है।
पत्राचार कार्यालयः
उत्तरशक्ति (हिंदी दैनिक)
मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5, ए-337 ट्रक टर्मिनल डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल ऑटाप हिल वडाला, मुंबई-37
मो.- 9554493941
email ID- uttarshaktinews@gmail.com

स्वामी: शरद फागुराम प्रजापति, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, यूनिट क्रमांक 4, तल मजला, एन.के. इंडस्ट्रियल स्टेट, आरे रोड, प्रवासी इंडस्ट्रियल स्टेट, जवल, गेट क्रमांक 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई-400063, महाराष्ट्र से मुदित एवं के-4, रूम नं. 8, ग्राउंड फ्लोर न्यू समता सहकारी को.ऑ. हा. सोसाइटी, एमएमआरडीए कॉलोनी कंजुरमार्ग (वेस्ट), जिला मुंबई- 400078, महाराष्ट्र से प्रकाशित।RNI NO. MAHHIN/2018/76092 * संपादक- ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति, विश्व समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के लिए उत्तरदायी तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद मुंबई न्यायालय के अधीन होंगे।
पत्राचार कार्यालय: मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5 ए-337 ट्रक टर्मिनल, डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल, ऑटाप हिल, वडाला मुंबई -37, मो.- 9554493941 email ID- uttarshaktinews@gmail.com

12वीं का पेपर कैंसिल होने पर परीक्षा सेंटर से लौट रहे छात्र की ट्रक की चपेट में आने से मौत

◆ धीरे-धीरे डेथ जोन बनता जा रहा है सिपाह क्षेत्र

रियाजुल हक

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। ट्रक की चपेट में आने से आज फिर एक छात्र की गई जान,एक हफ्ता पहले एक शिक्षिका की भी सड़क हादसे में उक्त स्थान पर ही गई थी जान,जौनपुर जिले के सिकरारा थाना क्षेत्र के हाशिमपुर ग्राम निवासी प्रदीप मिश्रा का पुत्र सत्यम मिश्रा 23 वर्ष आज सोमवार की सुबह 9 बजे अपनी अपाची बाइक से कोतवाली थाना क्षेत्र के सिपाह चौकी से 100 मीटर दूर आगे ट्रक की चपेट में आ गया

जहां उसकी मौके पर मौत हो गई, प्राप्त जानकारी के अनुसार सत्यम मिश्रा 12वीं का पेपर देने के लिए गाजीपुर अपने परीक्षा केन्द्र पी.आर.वी इंटर कॉलेज भीखमपुर पर गया था जहां उसका 12वीं का बोर्ड का सेंटर गया था जिसकी आज बायोलॉजी की परीक्षा किन्हीं कारण निरस्त हो गई और वह वापिस अपने घर को लौट रहा था कि जैसे ही वह सिपाह रेलवे क्रॉसिंग से 100 मीटर आगे गया सामने से आ रही एक ट्रक की चपेट में आ गया ट्रक का पिछला चक्का उसके ऊपर चढ़ गया जहां उसकी मौके पर मौत हो गई ट्रक चालक ट्रक लेकर फरार हो गया सिपाह पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है मौत की खबर सुनते ही परिवार में कोहराम मच गया है।

सावधान! कहीं जले तेल में तो नहीं तले जा रहे खाद्य पदार्थ

◆ समोसे, कचौड़ी, छोले भटूरे जैसे खाद्य पदार्थ खाने से पहले जांच लें
◆ विशेषज्ञ बोले- स्वास्थ्य के लिए घातक, हो सकती है गंभीर बीमारी

डॉ.इम्तियाज अहमद/शिव कुमार प्रजापति

शाहगंज, जौनपुर(उत्तरशक्ति)। जी हां आप सावधान हो जाएं बाहर दुकानों ठेलियों में समोसे पकौड़ी कचौड़ियां छोले भटूरे खाने से पहले दुकानदार की कढ़ाई को जरूर देख ले, कहीं उसमें पड़े तेल बार-बार बिना बदले प्रयोग करने से काले तो नहीं पड़ गए हैं। कहीं दुकानदार बार-बार बिना तेल बदले काले हो रहे तेल में तो इनको नहीं बना रहा। अगर ऐसा है तो आप कैंसर एवं अन्य जटिल रोगों के शिकार हो सकते हैं। अक्सर लोग बाहर भूख लगने पर होटल ढाबों या सड़क किनारे लगे

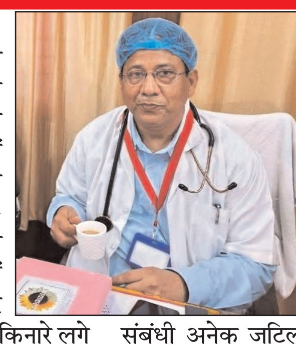

ठेलों पर समोसा पकौड़ियां छोले भटूरे का जायका लेने में नहीं कतराते, यह जानलेवा साबित हो सकता है। लगभग काली पड़ चुकी और कार्बन से मोटी हो चुकी कढ़ाई पर पड़ा काला तेल आपको नुकसान पहुंचा सकता है। ऐसे घटिया काले तेल के प्रयोग से बनी खाद्य सामग्रियों से हार्ट अटैक नसों में ब्लॉकेज लकवा कैंसर फैटी लीवर व पेट संबंधी अनेक जटिल बीमारियों के शिकार हो सकते हैं। बाहर की अधिक खाद्य पदार्थ चीजों के खाने से लोगों की प्रतिरोधक क्षमता भी लगातार घटती जा रही है। चिकित्सकों

> एक ही तेल से बार-बार खाद्य सामग्री तैयार करने से तेल में फ्री रेडिकल्स का निर्माण होता है जिससे तेल में एंटी ऑक्सीडेंट की मात्रा खत्म होने लगती है। इसके भारी नुकसान है यह ब्लड को गाढ़ा बना देता है। जिससे सांस लेने में व्यक्ति को तकलीफ हो सकती है। इससे हार्ट अटैक कैंसर जैसी गंभीर जानलेवा बीमारियों की आशंका बढ़ जाती है।

का कहना है कि एक ही तेल को गर्म कर बार-बार उसमें खाने की चीजों को तला जा रहा है। गाढ़ा काला तेल होने के बाद उसे बदला नहीं जाता। उसमें भी उल्टा नया तेल डालकर अपने व्यवसाय का मुनाफा दुकानदार कमाते हैं।

ड्रोन के इस्तेमाल के लिए कौशल जरूरी: प्रो.वंदना सिंह

वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय में ड्रोन जागरूकता कार्यक्रम का हुआ आयोजन

जौनपुर(उत्तरशक्ति)।फोर इंस्टीट्यूट ऑफ ड्रोन टेक्नोलॉजी एंड रिसर्च, गुरुग्राम, हरियाणा द्वारा संस्थान-उद्योग इंटरफेस के तहत वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय में ड्रोन जागरूकता एवं प्रशिक्षण प्रदान का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम केंद्रीय प्रशिक्षण एवं प्लेसमेंट प्रकोष्ठ के सहयोग से संपन्न हुआ। उद्घाटन एवं अभिमुखीकरण सत्र में विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. वंदना सिंह ने कहा कि आज तकनीकी के इस युग में ड्रोन का उपयोग बढ़ता जा रहा है। इसके बेहतर इस्तेमाल के लिए नए कौशल की आवश्यकता है। इसमें रोजगार के अवसर भी बढे है। प्रथम सत्र का प्रशिक्षण विजय तांबे द्वारा प्रदान किया गया। उन्होंने ड्रोन टेक्नोलॉजी की बढ़ती मांग, इसके अनुप्रयोगों तथा उद्योग जगत में इसके बढ़ते प्रभाव पर विस्तार से चर्चा की। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में विद्यार्थियों को ड्रोन संचालन, निर्माण, मेंटेनेंस, एविएशन नियमों तथा औद्योगिक उपयोग से संबंधित विस्तृत जानकारी प्रदान की गयी। प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों को थ्योरी के साथ-साथ प्रायोगिक सत्रों में भी भाग लेने का अवसर मिला। उन्होंने कहा कि ड्रोन टेक्नोलॉजी आज विभिन्न क्षेत्रों जैसे कृषि, रक्षा, आपदा प्रबंधन, सर्वेक्षण, लॉजिस्टिक्स, और सिनेमैटोग्राफी में तेजी से अपनी जगह बना रही है। इस कार्यक्रम के माध्यम से छात्रों को इन संभावनाओं से अवगत कराते हुए करियर के नए आयाम खोलने का प्रयास किया गया है। कार्यक्रम की रूपरेखा एवं उद्देश्यों पर केंद्रीय प्रशिक्षण एवं प्लेसमेंट प्रकोष्ठ के निदेशक प्रो. अविनाश डी. पाथर्डिकर ने प्रकाश डाला। कार्यक्रम का संचालन डॉ. नितेश जायसवाल ने किया। कार्यक्रम में प्रो. मानस पांडे, प्रो. अशोक श्रीवास्तव, प्रो. सौरभ पाल, डॉ ह्र.आलोक दास,श्याम त्रिपाठी एवं मुख्य छात्र सदस्य आदित्य पांडेय, दिव्यांशु संजय, रुद्रांश चतुर्वेदी, शिवांश श्रीवास्तव, हरी ओम साहू, आर्यन पाण्डेय, आयुष गुप्ता समेत कई छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

सेवा और समर्पण का माध्यम है एनएसएसः डॉ. अरविंद कुमार सिंह

पीयू में राष्ट्रीय सेवा योजना के विशेष शिविर का हुआ उद्घाटन

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर परिसर में राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई का सात दिवसीय विशेष शिविर का सोमवार को उद्घाटन किया गया। यह शिविर 03 मार्च से 09 मार्च 2025 तक चलेगा इसमें स्वयंसेवकों को समाज सेवा, नेतृत्व विकास और सामुदायिक कल्याण से जुड़ी विभिन्न गतिविधियों में सहभागिता करने का अवसर मिलेगा। विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. वंदना सिंह ने अपने संदेश के रूप में एनएसएस के उद्देश्यों की सराहना करते हुए कहा कि रसमाज सेवा ही सच्ची शिक्षा है। एनएसएस जैसे कार्यक्रमों के माध्यम से विद्यार्थी न केवल अपने व्यक्तित्व का विकास करते हैं, बल्कि समाज के उत्थान में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।रउद्घाटन सत्र के बतौर मुख्य अतिथि प्रधानाचार्य, मिहरावाँ पी.जी. कॉलेज, डॉ. अरविंद कुमार सिंह, ने राष्ट्रीय सेवा योजना की भूमिका पर प्रकाश डालते हुए कहा कि रयुवा शक्ति देश की सबसे बड़ी ताकत है, और यदि उन्हें सही दिशा में प्रशिक्षित किया जाए, तो वे समाज में सकारात्मक बदलाव ला सकते हैं। एनएसएस इसी उद्देश्य की पूर्ति करता है। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि डॉ. राज बहादुर यादव ने स्वयंसेवकों को प्रेरित करते हुए कहा कि रराष्ट्रीय सेवा योजना केवल एक संगठन नहीं, बल्कि एक आंदोलन है, जो युवाओं को समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारियों से अवगत कराता है और सेवा भाव को आत्मसात करने की प्रेरणा देता है।विशिष्ट अतिथि प्रो. प्रमोद कुमार यादव ने कहा कि राष्ट्रीय सेवा योजना केवल एक

कार्यक्रम नहीं, बल्कि एक विचारधारा है, जो युवाओं को समाज सेवा, नैतिक मूल्यों और नेतृत्व क्षमता का प्रशिक्षण देती है। उन्होंने स्वयंसेवकों को सामाजिक समरसता, पर्यावरण संरक्षण और राष्ट्र निर्माण में सक्रिय योगदान देने के लिए प्रेरित किया। प्रो. रवि प्रकाश ने कहा कि एनएसएस, सेवा, अनुशासन और समर्पण का प्रतीक है। जो युवाओं को समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारियों को समझने और उसे निभाने का अवसर प्रदान करता है। उन्होंने स्वयंसेवकों को टीम वर्क, आत्मनिर्भरता और जागरूकता के महत्व को समझाते हुए कहा कि यह शिविर उनके व्यक्तित्व विकास में सहायक सिद्ध होगा। इस अवसर पर कार्यक्रम अधिकारी डॉ अनुराग मिश्र ने अपने उद्बोधन में कहा रसमाज सेवा के पथ पर एनएसएस का सशक्त कदम !ृ सहायक आचार्य उदेश सिंह ने भी स्वयंसेवकों को संबोधित करते हुए कहा कि एनएसएस व्यक्तित्व विकास एक सशक्त माध्यम है। स्वयंसेवक सुमित सिंह ने राष्ट्रीय सेवा योजना के बारे में बताया। कार्यक्रम अधिकारी डॉ. शशिकांत यादव ने शिविर की रूपरेखा प्रस्तुत करते हुए बताया कि इस सात दिवसीय शिविर में स्वच्छता अभियान, पर्यावरण संरक्षण, साक्षरता अभियान, स्वास्थ्य जागरूकता, महिला सशक्तिकरण और सामाजिक विकास से जुड़े कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। कार्यक्रम का संचालन स्वयंसेवक अभिनव कीर्ति पाण्डेय ने किया धन्यवाद ज्ञापन स्वयंसेवक सुमित सिंह ने किया। इस अवसर पर कार्यक्रम अधिकारी, डॉ.विशाल यादव, डॉ.अजय कुमार मौर्य, डॉ.पीसी यादव, डॉ.श्याम कन्हैया, डॉ.जाह्नवी श्रीवास्तव, स्वयंसेवक प्रभात तिवारी, आनन्द सिंह सहित स्वयंसेवक बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

चेयरमैन ने जाना नगर वासियों का हाल

नगर के नरहन द्वितीय वार्ड सहित आधा दर्जन वार्डो का चेयरमैन ज्योति कृष्णा जायसवाल ने कर्मचारियों संग किया निरीक्षण

केराकत,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। नगर पंचायत केराकत की चेयरमैन

ज्योति कृष्णा जायसवाल ने नगर पंचायत कर्मचारियों के संग केराकत नगर के मोहल्ला नरहन द्वितीय वार्ड सहित कई अन्य वार्डो का निरीक्षण किया। इस अवसर पर चेयरमैन ने वार्ड की महिलाओं से पूछा कि कोई दिक्कत तो नहीं है आपलोगों को समय से पानी मिलता है।साथ ही समय पर साफ सफाई किया जाता है या नहीं। वार्ड की महिलाओं बुजुर्गों एवं यूवाओ ने कहा कि चेयरमैन साहब मुझे यह बतानें में गर्व महसूस हो रहा है कि जब से आप चेयरमैन बनीं तब से हम लोगों को समय-समय पर पानी मिलता है और टाइम से वार्ड की सफाई की जाती है।इतना ही नहीं हम लोग नाली रोड आदि सरकारी सुविधाओं से वंचित रहे आप द्वारा हम लोगों को इन सभी समस्याओं से निजात दिलाने का काम किया है। निरीक्षण के दौरान नगर की महिलाओं नें चेयरमैन ज्योति कृष्णा जायसवाल एवं उनके पति प्रतिनिधि कृष्णा जायसवाल उर्फ गोलू को खूब आशिर्वाद देती रहीं। मीडिया के द्वारा पूछे जानें पर बुजुर्ग महिलाओं नें कहा कि हम लोग अइसन चेयरमैन पाके धन्य हो गईली भगवान चेयरमैन साहिबा को और इनके पति को केराकत नगर का हमेशा चेयरमैन बनउले रहे। इस अवसर पर चेयरमैन ज्योति कृष्णा जायसवाल ने कहा कि नगर पंचायत के समस्त कर्मचारि पूरे निष्ठा और ईमानदारी से अपने काम को अंजाम दे अच्छे कर्मचारियों को सम्मानित किया जाएगा और लापरवाह कर्मचारियों को किसी भी कीमत पर बख्शा नहीं जाएगा। निरीक्षण के दौरान चेयरमैन साहिबा के साथ वरिष्ठ सभासद फिरोज खॉन, असलम मन्सूरी, मीरा सिंह,वकील अंसारी, संतोष कुमार यादव, सहित अन्य कर्मचारीगण साथ साथ लगे रहे।

भिडीं व खरबूज की खेती समय से पहले करने से किसान की आय होगी दोगुनी

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जिला उद्यान अधिकारी द्वारा अवगत कराया गया है कि गर्मियों में भिंडी की फसल लेने वाले किसानों के लिए फरवरी से मार्च का समय बुवाई के लिए अनुकूल है। जनपद में निदेशालय से आवंटित बीज यथा- काशी प्रगति, काशी क्रान्ति, और काशी चमन प्रजाति के 128 किलो ग्राम एवं खरबूज पूसा, मधुरिमा 2 किलो ग्राम बीज जिला उद्यान अधिकारी कार्यालय में बीज उपलब्ध है। कृषि वैज्ञानिकां के अनुसार 1 हे0 खेत की तैयारी के लिए 40-50 कुन्तल सड़ी गोबर की खाद, 50 किलोग्राम एन0पी0के0 16 एम0ओ0पी0 और 16 किलोग्राम यूरियां का प्रयोग करे एवं बोने के 15-20 दिन बाद सब्जी की प्रथम निराई-गुड़ाई करना फायदेमन्द रहता हैं, भिड़ी बुवाई के लिए कतार से कतार की दूरी 25-30 से0मी0 एवं कतार में पौधे से पौधे के मध्य दूरी 15 से 20 से0मी0 रखनी चाहिये। बीज की 2 से 3 से0मी0 गहरी बुवाई करनी चाहिये। बुवाई के पूर्व भिंड़ी के बीजो को 3 ग्राम मेन्कोजेब, कार्बेन्डाजिम प्रति किलो बीज की दर उपचारित करना चाहिये। पूरे खेत को उचित आकार की पंक्तियो में बांट ले एवं मलचिंग कर के ड्रिप विधि द्वारा सिंचाई करने सें अधिक लाभ होगा। जिससे किसान भाई भिड़ी की खेती कर के अधिक से अधिक आय अर्जित कर सकते है तथा इच्छुक किसान किसी भी कार्य दिवस में कार्यालय आ कर बीज प्राप्त कर सकते है। योजना प्रभारी जसपाल सिंह ने बताया कि जनपद में भिण्डी का 128 किलोग्राम एंव खरबूज 2 किग्रा0 का बीज मुख्यालय पर उपलब्ध है। इच्छुक कृषक नकद मूल्य पर बीज प्राप्त कर सकते है।

राष्ट्र निर्माण में युवाओं एवं मातृ शक्तिओं की भूमिका अहम: विद्याधर राय 'विद्यार्थी'

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। सशक्त राष्ट्र के निर्माण में युवाओं एवं मातृ

शक्तिओं की अहम भूमिका होती है ?, इसके बगैर कोई समाज या देश विकास की कल्पना भी नहीं कर सकता है। उक्त विचार वरिष्ठ पत्रकार विद्याधर राय 'विद्यार्थी' ने नगर के ईशापुर स्थित रमानाथ महाविद्यालय में आयोजित सात दिवसीय एनएसएस शिविर के पहले दिन बतौर मुख्य अतिथि व्यक्त किया। कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए विशिष्ट अतिथि डा. पवन कुमार मौर्य, प्राचार्य डा. शोभित श्रीवास्तव, प्रबंधक नरेंद्र नाथ मौर्या, सर्वेश मौर्या, शंकर बख्श सिंह, डा. धनंजय सिंह, अजय कुमार मौर्या द्वारा राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) के महत्व एवं उद्देश्य पर प्रकाश डाला गया। एनएसएस की कार्यक्रम रेनू गुप्ता ने सात दिवसीय कार्यक्रम की रुप रेखा को रेखांकित किया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथियों द्वारा मां सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया। तत्पश्चात महाविद्यालय परिवार द्वारा मुख्य अतिथि विद्याधर राय 'विद्यार्थी' को अंग वस्त्र एवं स्मृति चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया गया। इस मौके पर राज यादव, रवि प्रकाश पाण्डेय, शगुन पाठक, ज्योति त्रिपाठी, दीक्षा मौर्या, श्वेता मौर्या, साजिदा बेगम आदि की उपस्थिति रही। स्वागत गीत वंदना यादव व मनीषा अग्रहरि द्वारा प्रस्तुत किया गया तथा कार्यक्रम का संचालन डाली मौर्या एवं साक्षी मौर्या ने किया।

घर का एकलौता पुत्र पंखे के सहारे फांसी के फंदे पर लटका मिला, घर वालों ने लगाया हत्या का आरोप

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। बक्सा थाना क्षेत्र के मलिककानपुर ग्राम निवासी संदीप शुक्ला का 20 वर्षीय पुत्र वैभव शुक्ला रविवार की शाम लगभग 7 बजे घर के अंदर गले मे साड़ी का फंदा लगा पंखा के सहारे झूलता मिला, वैभव की माता अपने मायके पाली सुभाषपुर शादी में गई थी घर में कोई भी नहीं था वैभव को भी उसी शादी में जाना था लेकिन शाम को जब वैभव का एक दोस्त उसके घर पर आया तो देखा दरवाजा खुला है वैभव पंखे के सहारे फांसी पर लटका झूल रहा है इसके शोर मचाने पर गांव के काफी लोग जूट गए हैं सुचना पर पहुंची बक्सा थाने की पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है वैभव की माता का अरोप है कि मेरे बेटा की हत्या हो गई है पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट आने के बाद आगे की कारवाई की जाएगी वैभव अपने माता पिता का इकलौता पुत्र था। घटना की लेकर तरह तरह की चर्चा बनी हुई है।

वाराणसी में ट्रेन से कटकर छात्रा ने दी जान, पेपर खराब हुआ तो घर वालों ने लगाई थी फटकार

वाराणसी(उत्तरशक्ति)। वाराणसी के बड़ागांव थाना क्षेत्र में अहरक गांव में रविवार रात को हाईस्कूल की छात्रा ने ट्रेन से कटकर अपनी जान दे दी। मृत छात्रा के परिजनों ने बताया कि हाईस्कूल की परीक्षा दे रही थी।लेकिन उसका एक पेपर खराब हो गया था। इसको लेकर घरवालों ने उसे डांट लगा दी थी। डांट के बाद वह मानसिक रूप से काफी परेशान थी। बीती रात वह घर से निकली और ट्रेन की पटरी पर जाकर आत्महत्या कर ली। घटना के बाद परिवार में मातम छाया हुआ है। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच शुरू कर दी। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

नि:शुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन 20 फरवरी को

विशाल सोनी, शाहगंज,जौनपुर(उत्तरशक्ति)। नगर का प्रतिष्ठित असप्ताल सुशीला देवी मेमोरियल हॉस्पिटल एवं रिसर्च सेंटर में आने वाले 20 फरवरी को निःशुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन किया जाएगा।जिसमे स्त्री एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञ डॉक्टर मौलश्री चित्रवंशी, सर्जन डाक्टर ज्ञानचन्द्र चित्रवंशी सहित अन्य रोगों के स्पेशलिस्ट डॉक्टरों द्वारा निःशुल्क जाँच एवं परामर्श दिया जाएगा। उक्त आशय की जानकारी अस्पताल की डायरेक्टर डाक्टर मौलश्री चित्रवंशी ने दिया।

महराजगंज पुलिस ने 24 घण्टे के अंदर गुमशुदा को बरामद कर परिजन को किया सुपुर्द

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। प्रभारी निरीक्षक अरविन्द कुमार पाण्डेय के नेतृत्व में उ0नि0 सत्येन्द्र सिंह मय हमराह म0का0 गोल्डेन यादव के द्वारा थाना स्थानीय से गुमशुदा नगीना देवी पत्नी राजकुमार निवासी ग्राम सदरुद्दीनपुर थाना महराजगंज जनपद जौनपुर को बरामद कर उसके पति राजकुमार पुत्र दुधानाथ निवासी ग्राम सदरुद्दीनपुर थाना महराजगंज जनपद जौनपुर को सुपुर्द किया गया।

राष्ट्रीय आय आधारित फेलोशिप में सर्वोदय इण्टर कॉलेज खुदौली के दो मेधावी छात्रों का हुआ चयन

निशानाथ, खेतासराय,जौनपुर(उत्तरशक्ति)। राष्ट्रीय आय आधारित छात्रवृत्ति परीक्षा में सर्वोदय इण्टर कॉलेज, खुदौली के कक्षा 8 के दो मेधावी छात्र अफसरान और उज्जवल अस्थाना ने सफलता प्राप्त कर क्षेत्र का नाम रोशन किया है। उनकी इस उपलब्धि से विद्यालय सहित पूरे क्षेत्र में हर्ष का माहौल है। क्षेत्र के सैद गोरारी निवासी छात्र अफसरान पुत्र इजहार ने अपनी कड़ी मेहनत और लगन से इस प्रतिष्ठित फेलोशिप में स्थान प्राप्त किया है। कॉलेज के प्रधानाचार्य दिनेश कुमार गुप्ता एवं शिक्षकों ने उनकी इस सफलता पर गर्व व्यक्त किया और उन्हें उज्वल भविष्य की शुभकामनाएँ दीं। इस उपलब्धि पर उनके माता-पिता भी अत्यंत प्रसन्न हैं। उन्होंने बताया कि अफसरान हमेशा से ही पढ़ाई में रुचि रखते थे और दिन-रात परिश्रम कर इस मुकाम तक पहुंचे हैं। कॉलेज प्रशासन ने भी अफसरान की इस सफलता को प्रेरणादायक बताया और अन्य छात्रों को भी कड़ी मेहनत करने के लिए प्रेरित किया। इस उपलब्धि से क्षेत्र में शिक्षा के प्रति जागरूकता को भी बल मिलेगा। इस उपलब्धि पर अभिषेक मिश्रा, शिवानी मौर्या, डा. आजम, डॉ. सुरेश कुमार, मोहम्मद जीशान, मनीष यादव, मोहम्मद जमाल, ओबैदुल्लाह खान समेत आदि लोगों ने बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए अग्रिम उज्ज्वल भविष्य की कामना किया है।

मां संग काशी की गलियों में घूमीं अभिनेत्री प्रीति जिंटा, बाबा विश्वनाथ का किया दर्शन

इंस्टा हैंडल पर वीडियो शेयर कर फैंस को दिखाई झलक

वाराणसी(उत्तरशक्ति)।बॉलीवुड अभिनेत्री प्रीति जिंटा एक ऐसी स्टार है जो बिना पैपराजी के अपनी अपीरियंस दिए बिना अपने फैंस के लिए लाइमलाइट में बनी रहती हैं। वो अक्सर सोशल मीडिया पर एक्टिव रहती है। 2 मार्च को डिंपल गर्ल ने अपने इंस्टा हैंडल पर एक बड़ा ही खूबसूरत वीडियो शेयर किया है। जिसमें वह प्रयागराज और काशी में मुंह पर मास्क लगाए पैदल यात्रा करते हुए दिखाई दे रही हैं। इसमें लिखा कि भीड़ के बावजूद उन्हें कोई परेशानी नहीं हुई बल्कि वह बनारस की गलियों में घूमीं। बाबा विश्वनाथ का दर्शन किया। इससे उनकी को मां बेहद खुशी हुई। आम लोगों की तरह रात में काशी की गलियों में घूमीं। रिक्शे पर बैठकर वीडियो बनाए। फोटो खिंचवाईं। मां के साथ लाइन में लगकर बाबा के दर्शन किए। अभिनेत्री प्रीति जिंटा ने सोशल मीडिया पर एक इमोशनल नोट भी लिखा।यह यात्रा कितनी रोमांचक रही। मां शिवरात्रि के लिए वाराणसी में हमारी महाकुंभ यात्रा को समाप्त करना चाहती थीं। इसलिए मैंने उनसे कहा, बेशक मां, चलो. जब हम वहां पहुंचे तो पता चला कि अधिक भीड़ के कारण कारों की अनुमति नहीं थी और एक पॉइंट के बाद सड़कें ब्लॉक थीं। इसलिए लोग पैदल चलकर काशी विश्वनाथ मंदिर में दर्शन कर सकते थे। हमने तय किया कि हम वहां जाएंगे। कार में बैठने से लेकर ऑटो रिक्शा और साइकिल रिक्शा तक हमने यह सब किया और बहुत कुछ किया, हम भीड़ में चलते रहे। प्रीति जिंटा ने यह भी बताया कि उनकी मां पूरी यात्रा के दौरान बेहद खुश थीं और उनके अनुसार यही सबसे बड़ी 'सेवा' है। रमैंने अपनी मां को कभी इतना खुश नहीं देखा वे चमक रही थीं। उन्हें देखकर मुझे एहसास हुआ कि सबसे बड़ी सेवा भगवान के प्रति नहीं, बल्कि अपने माता-पिता के प्रति है। दुख की बात है कि हमें उनकी कीमत तभी पता चलती है। जब हम माता-पिता बन जाते हैं। भले ही उन्होंने इस यात्रा की शुरूआत की थी।लेकिन आह्वान मेरा था वे सिर्फ बहाना थीं। हम आधी रात को पहुंचे और आधी रात की आरती देखी। यह कुछ सेकंड के लिए था। क्योंकि कोई वीआईपी सेवाएं उपलब्ध नहीं थीं, लेकिन इससे कोई फर्क नहीं पड़ा।

श्री माँ शारदा श्रृंगार महोत्सव 4 मार्च को, भव्य भण्डारे के साथ भक्ति संगीत का होगा आयोजन

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। नगर के शास्त्री नगर (परमानतपुर) स्थित माँ शारदा शक्तिपीठ, मैहर मंदिर में 32वाँ श्री माँ शारदा श्रृंगार महोत्सव धूमधाम से मनाया जा रहा है। यह महोत्सव दो दिवसीय है, जो श्रद्धा और आस्था का प्रतीक बन चुका है। संत राधेश्याम गुप्त जी की अटूट भक्ति, शक्तिस्वरूपा माता मिथिलेश कुमारी जी के त्याग-तप और महंत सूर्य प्रकाश जायसवाल के अथक परिश्रम से इस शक्तिपीठ का सनातन संस्कृति के प्रवाह में महत्वपूर्ण योगदान है। इस महोत्सव के पहले दिन, सोमवार 3 मार्च को प्रातः समय में माता के श्रृंगार और मंगला आरती के पश्चात, राम दरबार में गौरी, गणेश पूजन और कलश स्थापना की गई। इसके बाद श्रीराम चरित मानस के अखंड पाठ का शुभारंभ हुआ।

प्रसाद वितरण किया गया। मंगलवार 4 मार्च को प्रातः काल में पुनः माता के श्रृंगार और पूजन के पश्चात अखंड पाठ की समाप्ति के बाद विशाल भंडारे का आयोजन किया जाएगा, जो माता की इच्छा तक चलता रहेगा। इस महोत्सव में मंदिर की सजावट फूल-मालाओं और बिजली के झालरों से की गई है, जो उसकी भव्यता को और बढ़ाती है। शक्तिपीठ के प्रबंधन और ट्रस्टी रविकांत जायसवाल ने श्री माँ शारदा श्रृंगार महोत्सव के विशाल भंडारे में शामिल होने और प्रसाद ग्रहण करने के लिए सभी श्रद्धालुओं से अपील की है। इस महोत्सव में देवी-देवताओं की दिव्य जीवन्त झांकी और सनातन संस्कृति का प्रवाह करने के लिए पूर्वांचल के श्रेष्ठ कलाकारों द्वारा भजन गीत की प्रस्तुति भी की जाएगी, जो श्रद्धालुओं के मन को आध्यात्मिक अमृत प्रदान करेगी। आस्था का संवाहक श्री माँ शारदा श्रृंगार महोत्सव में शामिल होने के लिए आप सभी आमंत्रित हैं, इस यात्रा में आध्यात्मिक ज्ञान का अनुभव प्राप्त करें।

सांस्कृतिक संस्था ने टी.बी. मुक्त भारत अभियान के तहत बांटी दवा और किट

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। सरजू प्रसाद शैक्षिक सामाजिक एवं सांस्कृतिक संस्था जज कॉलोनी द्वारा प्रधानमंत्री टी.बी. मुक्त भारत अभियान के तहत पौष्टिक आहार, किट, गोद लिए टी.बी. मरीजों को वितरित किया गया साथ ही जागरूकता कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती के प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलित कर अतिथियों द्वारा शुभारंभ किया गया। मुख्य अतिथि मुख्य वक्ता जिला टी.बी. समन्वयक सलिल कुमार यादव ने कहा कि संस्था लंबे समय से निक्षय मित्र के रूप में पंजीकृत है। टी.बी. मरीजों को इलाज के दौरान किसी भी दिन दवाई का गैप नहीं होना चाहिए।

ऐसा न हो कि आप दवा भूल गए, कल दवा भूल गए बीच में छोड़- छोड़ कर दवा खाएंगे तो यह रोग और गंभीर हो जाएगा दवा नहीं छोड़ना है यदि दवा करने के दौरान किसी भी तरह की तकलीफ महसूस हो रही है या दवा रिएक्शन कर रहा है तो तुरंत आकर अपने डॉक्टर साहब से मिलना पड़ेगा। इसका दो महीने पर पहली जांच होती है एक हम लोग फॉलोअप करके देखते हैं की दवा फायदा कर रही है कि नहीं ।और अगले दो साल तक जब तक इलाज खत्म नहीं हो जाता तो उसके बाद भी हम लोग जांच करते हैं और यह पता लगते हैं कि आप कंप्लीट ठीक हो गए कि नहीं। 6 महीने तक और फॉलो अप किया जाता है ताकि आने वाले समय में फिर से टी.बी.जैसी बीमारी आपको न हो आपको मेटा सुपरविजन में रहना है। और पोषण को अच्छा रखना है क्योंकि अच्छे पोषण सामग्री सेवन से टी.बी. मरीज जल्दी स्वस्थ हो जाते हैं संस्था पोषण सामग्री वितरण करने में मरीजों को हमेशा बढ़-चढ़ कर साझेदारी की है इसके लिए जितनी सराहना की जाए कम है। अध्यक्षता करते हुए डॉक्टर दिलीप कुमार सिंह ने कहा कि संस्था द्वारा टीवी मरीजों का सबसे अच्छा फॉलो अप किया जा रहा है जो अत्यंत सराहनीय है। संस्था लंबे समय से टी.बी. मरीजों पर काम कर रही है। कार्यक्रम का संचालन प्रधान अध्यापक प्रमोद कुमार प्रजापति ने किया। उक्त अवसर पर प्रधान अध्यापक सुभाष सरोज ठाकुर प्रसाद राय सागर श्रीवास्तव अमन श्रीवास्तव धर्मेंद्र श्रीवास्तवअनिल कुमार गुप्ता नवीन सिंह डॉक्टर सुशील अग्रहरी जय देवी पांडेय सावित्री गौतम दीपा रमाशंकर चिंता देवी आशीष श्रीवास्तव गिरीश चंद्र मोनू अखिलेश इत्यादि लोग उपस्थित थे। अंत में कार्यक्रम संयोजक पूर्व अध्यक्ष चाइल्ड वेलफेयर कमेटी संजय उपाध्याय ने आए हुए सभी अतिथियों का स्वागत एवं आभार व्यक्त किया।

ध्वनी प्रदुषण करने वाले डीजे संचालक गिरफ्तार

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। मुगराबादशाहपुर पुलिस द्वारा ध्वनी प्रदुषण करने वाले डीजे संचालक को 207 एमवी एक्ट में गिरफ्तार कर डी0जे0 को किया गया सीज प्रभारी निरीक्षक मुगराबादशाहपुर विनोद कुमार मिश्रा के कुशल नेतृत्व में आज थाना मुगराबादशाहपुर पुलिस द्वारा मानक के विपरीत डी.जे. बजाने वाले डी.जे. मय वाहन के साथ 207 एमवी एक्ट मे सीज कर व डीजे बजाने वाले डीजे संचालक 1. रोहित कुमार कसेरा पुत्र अशोक कुमार कसेरा निवासी गजराजगंज थाना मुंगराबादशाहपुर जौनपुर को नियमानुसार गिरफ्तार करते हुए अग्रेतर विधिक कार्यवाही की जा रही है।

दबंग ने वृद्ध महिला को मारपीट कर किया घायल

शाहगंज(जौनपुर)। कोतवाली क्षेत्र अंतर्गत एक गॉव में एक दबंग युवक ने कान से बहरी वृद्ध महिला को मारपीट कर घायल कर दिया। जानकारी के अनुसार कोतवाली क्षेत्र के ग्राम कौड़ियां निवासी 60 वर्षीय असगरी पत्नी स्व. फखरुद्दीन ने कोतवाली पुलिस को प्रार्थना पत्र देते हुए आरोप लगाया की पड़ोस के ही दबंग युवक शाहरुख पुत्र उम्मन ने मारपीट कर बुरी तरह घायल कर दिया। फिलहाल कोतवाली पुलिस मामले की जांच पड़ताल कर रही है।

सफलतापूर्वक संपन्न हुआ महिला उद्यमी फागुनोत्सव -2025, अंतिम दिन लोगों ने की जमकर खरीदारी

पटना (उत्तरशक्ति)। बिहार महिला उद्योग संघ द्वारा आयोजित महिला उद्यमी फागुनोत्सव - 2025 का समापन समारोह ज्ञान भवन में संपन्न हुआ। 27 फरवरी से 3 मार्च तक आयोजित इस मेले में पश्चिम बंगाल, महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश, आसाम, कश्मीर, झारखंड,बिहार सहित अन्य राज्यों की सैकड़ों महिला उद्यमियों ने हिस्सा लिया। मेले के समापन के दिन पटनावासियों ने जमकर खरीदारी की। एमएसएमई, सिडबी, नाबार्ड और डब्ल्यूसीडीसी के सहयोग से आयोजित इस मेले में कुल 200 स्टॉल्स लगाए गए थे जिनकी कुल बिक्री 1 करोड़ 93 लाख रही। समापन समारोह को सम्बोधित करते हुए कार्यक्रम के मुख्य अतिथि बिहार सरकार के उद्योग मंत्री नितिश मिश्रा ने इस सफल आयोजन के लिए बिहार महिला उद्योग संघ को अपनी शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि महिला उद्यमियों ने इस मेले में स्टॉल लगाकर अपने उत्पादों का अच्छा प्रदर्शन किया है। भारत के निर्माण में महिला उद्यमी की अहम भूमिका रही है। आज महिलाएं उद्यम सहित अन्य सभी क्षेत्रों में निरंतर आगे बढ़ रही हैं और सशक्त हो रही हैं। उन्होंने अपने संबोधन में बजट को लेकर भी चर्चा की। वहीं विशिष्ट अतिथि राज्यसभा सांसद धर्मशीला गुप्ता ने कहा कि इस मेले को लेकर लोगों की अच्छी प्रतिक्रिया रही। जबकि बिहार महिला उद्योग संघ की अध्यक्ष उषा झा ने कहा कि ऐसे आयोजन से महिलाओं का हौसला बढ़ता है और वो बड़े स्तर पर अपने द्वारा तैयार किये हुए उत्पादों का प्रदर्शन करती हैं। उन्होंने बताया कि इस पांच दिवसीय मेले में लोगों की अच्छी भीड़ रही। इस मेले में अनु बिजपुरिया के स्टॉल को प्रथम स्थान, सुष्मिता सिन्हा एवं प्रिया रंजन को दूसरा व रश्मिका को तीसरा स्थान प्राप्त हुआ। उन्होंने बताया कि अगले वर्ष हम पुनः इस मेले का बड़े स्तर पर आयोजन करेंगे। कार्यक्रम में नाबार्ड के डीजीएम सतपाल आजाद, बीआईएस पटना के निदेशक संतोष सुमन, एमएसएमई डीएफओ पटना के सहायक निदेशक सुनील अग्निहोत्री, डब्लूसीडीसी के निदेशक राजीव वर्मा, बिहार म्यूजियम के सहायक निदेशक अशोक कुमार सिन्हा, सीआईएमपी के निदेशक डॉ. राणा सिंह भी विशिष्ट अतिथि के रूप में मौजूद रहे। कार्यक्रम को सफल बनाने में बिहार महिला उद्योग संघ की उपाध्यक्ष इंदु अग्रवाल, किरण रंजन, कार्यकारी निदेशक साधना झा, सचिव मेनका सिन्हा, कोषाध्यक्ष अंकिता तिवारी, कार्यकारिणी सदस्य अम्बिका देव, रुचि चौधरी, नितिका अग्रवाल, प्रियंका सिन्हा, शाम्भवी आदि की मुख्य भूमिका रही।

दांतों का इलाज कर रहा आयुर्वेद चिकित्सक

एटा (उत्तरशक्ति)। एटा में स्वास्थ्य विभाग की टीम ने सोमवार को अवागढ़ ब्लॉक में कार्रवाई करते हुए चार क्लीनिकों व एक पैथोलॉजी लैब को सील कर दिया। ये सभी अनधिकृत रूप से चल रहे थे। एक क्लीनिक आयुर्वेद चिकित्सक का था, जहां एक्स-रे मशीन लगा ली गई थी। दो क्लीनिक संचालकों को नोटिस भी जारी किया गया। स्वास्थ्य विभाग की टीम ने सोमवार को ब्लॉक में क्लीनिक संचालकों व पैथोलॉजी लैब पर छापे मारे। प्रभारी जिला मलेरिया अधिकारी लोकमन सिंह ने बताया कि सबसे पहले चुरथरा के सीएचसी प्रभारी ब्रजेश सिंह के साथ अवागढ़ कस्बा स्थित मुनेर के क्लीनिक पर पहुंचे। क्लीनिक संचालक कोई कागजात नहीं दिखा सके। इस पर क्लीनिक को सील किया गया। कस्बा के ही प्रिया क्लीनिक पर भी संचालक कोई कागजात नहीं दिखा सके। उसे भी सील कर दिया गया। वहीं, मुनेश क्लीनिक का आयुर्वेद में पंजीकरण था, जबकि यहां एलोपैथी के जरिए मरीजों के दांतों का उपचार किया जा रहा था। यहां एक्स-रे मशीन भी लगी हुई थी। जबड़ा तक बनाने का कार्य किया जा रहा था। इसे भी सील कर दिया गया। इसके बाद टीम गांव मिजार्पुर में पहुंची, जहां जयवीर व पिंजू के क्लीनिक चलते मिले। बड़ी मात्रा में पिंजू के यहां दवाएं भी मिलीं। घर में ही दोनों क्लीनिकों का संचालन हो रहा था। ऐसे में दोनों को नोटिस जारी किया गया। बाद में टीम गांव इसौली पहुंची। यहां मनीष के क्लीनिक पर संचालक कोई कागजात नहीं दिखा सका। इस पर उसे भी सील कर दिया गया।

कार ने बाइक में सवारों को मारी टक्कर दो की मौत हो गई

बनियाठेर (उत्तरशक्ति)। मुरादाबाद-आगरा नेशनल हाइवे पर थाना बनियाठेर के गांव आटा के निकट रविवार की देर रात कार की टक्कर से बाइक सवार जीजा की मौत के बाद उपचार के दौरान घायल साली ने भी दम तोड़ दिया। पत्नी का मुरादाबाद के जिला अस्पताल में उपचार चल रहा है। पुलिस ने कार के अज्ञात चालक के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली है। थाना बहजोई क्षेत्र के गांव नाधौश का रहने वाला नन्हें कश्यप (25) पुत्र ओमपाल पत्नी हेमलता और साली ममता (21) पुत्री रामसुख निवासी गांव सिहोरी फतेहपुर थाना पंवासा के साथ बाइक से मौसी के घर कार्यक्रम में शामिल होकर वापस लौट रहा था। मुरादाबाद-आगरा नेशनल हाइवे पर थाना बनियाठेर के गांव आटा के निकट सामने से आ रही कार ने बाइक में टक्कर मार दी। इसमें नन्हें कश्यप की मौके पर ही मौत जबकि हेमलता और ममता गंभीर रुप से घायल हो गईं। देर रात जिला अस्पताल संभल में उपचार के दौरान ममता की भी मौत हो गई। हेमलता का मुरादाबाद के जिला अस्पताल में उपचार चल रहा है। प्रभारी निरीक्षक रामवीर सिंह ने बताया कि मृतक नन्हें के पिता ओमपाल की तहरीर के आधार पर कार के अज्ञात चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। गांव धनारी पट्टी लाल सिंह निवासी राजेश कुमार ने पुलिस को दी तहरीर में कहा कि वह टेंपो चलाकर परिवार का भरण पोषण करता है। उसने बताया कि रविवार की शाम चार बजे करीब वह अपने टेंपो में धनारी से सवारियां लेकर बहजोई जा रहा था। रास्ते में गांव भागनगर के पास छह युवकों ने उसका टेंपो रोक लिया और उसके साथ मारपीट करने लगे।

गुणवत्तापूर्ण शोध से समाज को होगा लाभः प्रो. वंदना सिंह

पर्स प्रोजेक्ट इंप्लीमेंटेशन ग्रुप के सदस्यों को कुलपति ने किया सम्मानित

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय को भारत सरकार के विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय द्वारा श्प्रमोशन ऑफ यूनिवर्सिटी रिसर्च एंड साइंटिफिक एक्सीलेंस (पर्स) अनुदान से सम्मानित किया जाना न केवल विश्वविद्यालय बल्कि पूरे उत्तर प्रदेश के लिए गर्व की बात है। इस प्रतिष्ठित उपलब्धि से विश्वविद्यालय में शोध और नवाचार को एक नई दिशा मिलेगी, जिससे समाज को भी व्यापक लाभ होगा। कुलपति प्रो. वंदना सिंह ने विश्वविद्यालय की इस उपलब्धि को एक ऐतिहासिक कदम बताया और कहा कि यह सम्मान शिक्षा और शोध के क्षेत्र में उत्तर प्रदेश की पहचान को और सशक्त करेगा। इस परियोजना से जुड़े शोध न केवल अकादमिक क्षेत्र को समृद्ध करेंगे, बल्कि उद्योग और समाज के लिए भी उपयोगी साबित होंगे। इससे विद्यार्थियों को उच्चस्तरीय शोध के अवसर मिलेंगे, जिससे वे नवाचार और उद्यमिता की ओर अग्रसर हो सकेंगे। उन्होंने पर्स प्रोजेक्ट इंप्लीमेंटेशन ग्रुप के सदस्यों को सम्मानित किया, जिसमें डॉ. धीरेन्द्र चौधरी, डॉ. काजल डे, डॉ. सुजीत चौरसिया, डॉ. पुनीत धवन, डॉ. आलोक वर्मा, डॉ. रामांशु सिंह, डॉ. मिथिलेश सिंह, डॉ. दिनेश वर्मा एवं प्रो. गिरिधर मिश्र शामिल रहे। उन्होंने पर्स टीम को यह भी निर्देश दिया कि वे प्रोजेक्ट के प्रस्तावित कार्यों को समयबद्ध रूप से पूरा करें और शोध में प्राप्त परिणामों को उच्च गुणवत्ता वाले जर्नल्स में प्रकाशित करें तथा पेटेंट फाइल करें। कुलसचिव महेंद्र कुमार ने कहा कि हमें सरकार की हर परियोजनाओं पर पैनी नजर रखनी होगी। हमारे विश्वविद्यालय के अन्य विभाग के लोग भी अपने से संबंधित परियोजनाओं पर अनुदान ले आए ताकि विश्वविद्यालय के उच्च शिक्षा और शोध की गुणवत्ता में सुधार हो। परीक्षा नियंत्रक डॉ. विनोद सिंह ने कहा इस परियोजना के अंतर्गत उच्च श्रेणी के नैनो-मटेरियल्स विकसित किए जाएंगे।जिनका उपयोग सोलर सेल, बैटरी, थर्मोइलेक्ट्रिक डिवाइस एवं हाइड्रोजन एनर्जी डिवाइस बनाने में किया जाएगा। इसके साथ ही, एस.एस.आर. कार्यक्रम के माध्यम से अन्य विश्वविद्यालयों और महाविद्यालयों के शोधार्थियों को भी सहयोग प्रदान किया जाएगा।कार्यक्रम का संचालन पर्स ग्रुप के सह-समन्वयक डॉ. काजल डे ने किया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के आचार्यों ने विभिन्न सुझाव प्रस्तुत किए। कार्यक्रम में प्रो. मानस पांडेय, प्रो. अजय द्विवेदी, प्रो. मनोज मिश्र, प्रो. अजय प्रताप सिंह, प्रो. राजेश शर्मा, प्रो. वीडी शर्मा, प्रो. अविनाश पाथर्डिकर, प्रो. संदीप सिंह, प्रो. रजनीश भास्कर, प्रो. प्रमोद यादव, उपकुलसचिव अजीत सिंह सहित अन्य शिक्षक एवं शोधार्थी उपस्थित रहे।

पुरानी पेंशन की बहाली के लिए सपा सांसद को सौंपा ज्ञापन

आजमगढ़। अटेवा के पदाधिकारियों ने सपा सांसद दरोगा प्रसाद सरोज को रविवार को ज्ञापन सौंपकर पुरानी पेंशन बहाली की मांग की। ऑल टीचर्स एंड इंप्लाइज वेलफेयर एसोसिएशन (अटेवा) के पदाधिकारियों से सांसद ने कहा कि हम पुरानी पेंशन बहाली के पक्ष में है। पुरानी पेंशन बहाली के लिए प्रधानमंत्री को पत्र लिखकर शिक्षक, कर्मचारियों, अधिकारियों और देश के पैरामिलिट्री के कर्मियों की इस समस्या से अवगत कराया जाएगा।

5 इलेक्ट्रिक स्कूटर्स के साथ महिलाओं की आजादी का जश्न मनायें

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस (2025) के मौके पर,एक्सेलरेट एक्शन थीम का मकसद महिलाओं को सशक्त बनाना और उनकी तरक्की को बढ़ावा देना है। आजकल महिलाएं हर क्षेत्र में आगे बढ़ रही हैं, वे हर इंडस्ट्री में बाधाओं को तोड़ रही हैं, इसलिए उनके लिए परिवहन के स्मार्ट, टिकाऊ और स्वतंत्र समाधानों की बेहद जरूरत है। इलेक्ट्रिक स्कूटर इसमें बहुत मददगार हैं। ये स्कूटर प्रोफेशनल्स, स्टूडेंट्स और होममेकर्स के लिए बहुत अच्छे हैं। ये पर्यावरण को नुकसान नहीं पहुंचाते और इन्हें चलाना बेहद आसान है। महिला दिवस का जश्न मनाने के लिए यहां पांच बेहतरीन इलेक्ट्रिक स्कूटर दिए गए हैं:

ओडिसी रेसर लाइट V2 / V2 प्लस

कीमत ñ 71,250 रुपये / 94,450 रुपये

रेसर लाइट V2 में एक दमदार और वाटरप्रूफ मोटर लगी है। इसकी लिथियम-आयन बैटरी तीन-चार घंटे में पूरी तरह चार्ज हो जाती है और 75 किलोमीटर की रेंज देती है। स्कूटर में एलईडी लाइट्स और बड़ा बूट स्पेस भी है, जिससे आप अपना सामान सुरक्षित और आसानी से रख सकते हैं। इसके डुअल बैटरी सिस्टम वैरिएंट से आप पावर खत्म होने की चिंता किए बिना लंबी राइड का आनंद ले सकते हैं। इसके अलावा, एक एंटी-थेफ्ट लॉक यह सुनिश्चित करता है कि जब आपका स्कूटर उपयोग में न हो तो सुरक्षित रहे। ओडिसी रेसर लाइट V2 एक आरामदायक और भरोसेमंद राइड प्रदान करता है और यह आकर्षक रंगों में उपलब्ध है, जिसमें रेडियंट रेड, पेस्टल पीच, सफायर ब्लू, मिंट ग्रीन, पर्ल व्हाइट और मैट ब्लैक और कॉम्बैट ग्रीन शामिल हैं। यह स्कूटर निश्चित रूप से सड़क पर सबका ध्यान आकर्षित करेगा।

हीरो इलेक्ट्रिक ऑप्टिमा CX

कीमत – 1,06,590 रुपये

ऑप्टिमा 3 एक 550W BLDC मोटर द्वारा संचालित है जो 1.2bhp की पीक पावर पैदा करता है, और यह 52.2V, 30Ah लिथियम फॉस्फेट बैटरी के साथ जुड़ा हुआ है जिसे पूरी तरह से चार्ज होने में 4-5 घंटे लगते हैं। कंपनी ने स्कूटर को सिंगल और डबल बैटरी दोनों वैरिएंट में पेश किया है, जिनकी कीमत क्रमशः 62,190 रुपये और 77,490 रुपये है। डबल बैटरी वर्जन एक बार चार्ज करने पर 140 किमी की रेंज देता है और 45 किमी/घंटा की टॉप स्पीड तक पहुंच सकता है।

नियो **SX** ईट्रान्स कीमत ñ 73,999 रुपये

नियो SX ईट्रान्स एक कुशल इलेक्ट्रिक स्कूटर है जिसकी टॉप स्पीड 47 किमी/घंटा है और इसमें 1.8 kWh लिथियम-आयन बैटरी है, जो 85-101 किमी की रेंज प्रदान करती है। यह 100 किलोग्राम की भार क्षमता और शानदार राइड्स के लिए 7-डिग्री ग्रेड क्षमता को सपोर्ट करता है। 5 साल/40,000 किमी की एक्सटेंडेड वारंटी के साथ, यह विश्वसनीयता और ड्यूरैबिलिटी देता है।

ओडिसी स्नैप

कीमत – 79,999 रुपये

ओडिसी स्नैप का स्लीक डिजाइन, वाटरप्रूफ बैटरी और आरामदायक सीटें शहर में सफर को आसान और सुखद बनाती हैं। यह एक बार चार्ज करने पर 100 किलोमीटर की रेंज देता है और इसे चार घंटे के भीतर पूरी तरह से रिचार्ज किया जा सकता है। थ्री-स्पीड बाइक होने के कारण, यह राइडिंग की विभिन्न जरूरतों को पूरा करता है, और किसी भी स्टैण्डर्ड 3-पिन प्लग के साथ कॉम्पैटिबल होने के कारण इसे चार्ज करना बेहद आसान है।

ओला S1 एयर

कीमत ñ 1.07 लाख रुपये

जो लोग परफॉर्मेंस और तकनीक की मांग करते हैं, उनके लिए ओला S1 एयर 151 किमी की रेंज देता है और यह 3 kW की बैटरी के साथ आता है। यह 5.5 सेकंड में 0 से 60 किमी/घंटा की रफ्तार पकड़ता है, और 90 किमी/घंटा की टॉप स्पीड हासिल करता है। इसमें 7 इंच का कलर टीएफटी स्क्रीन और मूवओएस 4.0 है, जो डिजिटल स्पीडोमीटर के साथ-साथ नैविगेशन, ब्लूटूथ और वाईफाई तक पहुंच प्रदान करता है। इसकी सुरक्षा जबरदस्त है और इसका श्रेय कॉम्बी ब्रेक सिस्टम, फास्ट-चार्जिंग क्षमताओं और 8 साल की बैटरी वारंटी को जाता है।

होलिका दहन और होली जुलूस को लेकर पीस कमेटी की बैठक संपन्न

खेतासराय, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। खेतासराय कस्बा में होलिका दहन और होली जुलूस को शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के उद्देश्य से एसडीएम शाहगंज राजेश चौरसिया के नेतृत्व में सोमवार की शाम पीस कमेटी बैठक खेतासराय नगर पंचायत कार्यालय में संपन्न हुई। जिसमें स्थानीय प्रशासन, पुलिस विभाग और नगर के गणमान्य नागरिकों ने भाग लिया। बैठक में सीओ शाहगंज अजीत सिंह चौहान ने सभी से शांति और सौहार्द बनाए रखने की अपील की। उन्होंने कहा कि होली का त्योहार रंगों और उल्लास का प्रतीक है।इसलिए इसे प्रेम और भाईचारे के साथ मनाया जाना चाहिए। पुलिस विभाग ने कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए और सभी से सहयोग की अपील की। थानाध्यक्ष रामाश्रम राय ने कहा कि आपसी सौहार्दपूर्ण तरीके से होली पर्व मनाएं, एक दूसरे का सहयोग करें।त्यौहार में किसी भी प्रकार की अराजकता बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। होली जुलूस समिति के अध्यक्ष जगदम्बा प्रसाद पाण्डेय ने होली जुलूस के बारे में अवगत कराया और लोगों से सहयोग की अपील किया।

बैठक में चेयरमैन वसीम अहमद ने समुचित साफ-सफाई व्यवस्था को लेकर आश्वस्त किया। बैठक में शांतिभूषण मिश्रा, असलम, कपूरचंद जायसवाल, सैय्यद ताहिर, धर्मचंद गुप्ता, नवाब अहमद, सोनू बिन्द, सभासद अमित सोनकर, इलियास मोनू, सतीष यादव, शमीम अहमद, कर्मचन्द्र यादव, सलीम अहमद, राकेश यादव, फारूक आजम समेत आदि गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। सभी ने प्रशासन को आश्वस्त किया कि नगर में होली का पर्व सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न होगा।

IGNOU का 38वां दीक्षांत समारोह 5 को, वाराणसी में 3,823 छात्र-छात्राओं को मिलेगी डिग्री

-डॉ.एस.के.मिश्र

वाराणसी(उत्तरशक्ति)। जनपद के इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (इग्नू), नई दिल्ली का 38वां दीक्षांत समारोह 5 मार्च बुधवार को आयोजित किया जाएगा। इस समारोह में देशभर के 3 लाख से अधिक छात्र-छात्राओं को उपाधियां प्रदान की जाएंगी। वाराणसी के 3823 विद्यार्थियों को भी डिग्रियां मिलेंगी। मुख्य समारोह इग्नू मुख्यालय मैदानगढ़ी, नई दिल्ली में होगा, जहां भारत के माननीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे। इसके अलावा, देशभर के 39 क्षेत्रीय केंद्रों पर भी यह समारोह आयोजित किया जाएगा। इग्नू के वाराणसी क्षेत्रीय केंद्र के निदेशक उपेंद्र नभ त्रिपाठी ने बताया कि क्षेत्रीय केंद्र द्वारा यह आयोजन बीएचयू परिसर स्थित संगोष्ठी संकुल, विज्ञान संस्थान के महामना सभागार में किया जाएगा। इसमें विशिष्ट अतिथि के रूप में राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम शामिल होंगे। वाराणसी क्षेत्रीय केंद्र में कुल 3,823 छात्र-छात्राओं को डिग्री प्रदान की जाएगी, जिसमें 2,113 परास्नातक और 1,235 स्नातक छात्र शामिल हैं। इसके अतिरिक्त, 352 डिप्लोमा और 123 सर्टिफिकेट पाठ्यक्रम के छात्र-छात्राओं को भी उपाधि दी जाएगी। इस समारोह में चुनिंदा 250 छात्र-छात्राओं को विशेष रूप से आमंत्रित किया गया है, जिन्हें विशिष्ट अतिथि द्वारा डिग्री प्रदान की जाएगी।

होंडा मोटरसाइकिल एंड स्कूटर इंडिया ने फरवरी 2025 के बिक्री आंकड़े जारी किए

पटना (उत्तरशक्ति)। होंडा मोटरसाइकिल एंड स्कूटर इंडिया ने फरवरी 2025 के अपने बिक्री आंकड़े जारी किए। फरवरी 2025 में कंपनी की कुल बिक्री 4,22,449 यूनिट्स रही। इसमें 3,83,918 यूनिट्स की घरेलू बिक्री और 38,531 यूनिट्स का निर्यात शामिल है। यह उल्लेखनीय है कि एचएमएसआई की वित्त वर्ष 2025 (अप्रैल 2024 - फरवरी 2025) की अब तक की कुल बिक्री 54,04,216 यूनिट्स तक पहुंच गई है, जिसमें 49,25,241 यूनिट्स की घरेलू बिक्री और 4,78,975 यूनिट्स का निर्यात शामिल है।

आईआईटी में दिल्ली मेट्रो टनल ट्रेनिंग एक्सीलेंस सेंटर स्थापित

वाराणसी (उत्तरशक्ति)। जनपद में अब आईआईटी-बीएचयू यहां पर तकनीकी तौर पर अंडरग्राउंड स्पेस और सुरंग डिजाइन के मामले में ट्रेनिंग देगा। स्टेट ऑफ आर्ट फैसिलिटी के तहत इस सेंटर में रिसर्च को जमीन पर उतारने का काम होगा। देश भर में एक लाख करोड़ रुपये से करीब 1000 किलोमीटर लंबा मेट्रो सुरंग बनाया जाना है। इसके तहत आईआईटी बीएचयू स्थित सिविल इंजीनियरिंग विभाग और अन्य कई यूनिट के प्रोफेसर और वैज्ञानिक दिल्ली मेट्रो के लिए सुरंग की स्पेस तकनीक पर रिसर्च करेंगे। तीन साल पहले डीएमआरसी ने आईआईटी-बीएचयू के साथ इस तकनीक के लिए समझौता किया था। 2022 में हुआ था समझौता 31 जलाई 2022 को आईआईटी बीएचयू और डीएमआरसी के बीच सुरंग निर्माण और भूमिगत इंजीनियरिंग में समझौता किया गया था। इसमें युवाओं को कनेक्ट करने के लिए रिसर्च शुरू करने पर सहमति बनी थी। साथ ही कई स्तर पर भर्तियां और इससे संबंधित कई कोर्स भी चलाने की बात की गई थी। कंस्ट्रक्शन टेक्नोलॉजी, सेफ्टी प्रोटोकॉल पर भी रिसर्च डीएमआरसी आईआईटी बीएचयू से एकेडमिक एक्सीलेंस, सुरंग डिजाइन, निर्माण के लिए भविष्य की प्लानिंग, कंस्ट्रक्शन टेक्नोलॉजी, सेफ्टी प्रोटोकॉल और शहरी बुनियादी ढांचा परियोजनाओं की बढ़ती मांगों को पूरा करने के लिए वर्क फोर्स ट्रेनिंग कराने के काम में मदद लेगा। इस केंद्र में कई अत्याधुनिक सुविधाएं दी गई हैं। इनमें स्मार्ट क्लासरूम और एआर, वीआर के रियल और वर्चुअल लैब, ट्रेनिंग के लिए 25 मीटर का टू-स्केल सुरंग मॉडल की व्यवस्था है।

उच्च प्राथमिक विद्यालय अशोकपुर कला का 11 वर्षों से प्रतियोगी परीक्षाओं में कीर्तिमान कायम

-शिव कुमार प्रजापति

शाहगंज, जौनपुर(उत्तरशक्ति)। शासन द्वारा आयोजित विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं में उच्च प्राथमिक विद्यालय अशोकपुर कला का 11 वर्षों से सफलता का कीर्तिमान लगातार कायम है। राष्ट्रीय आय एवं योग्यता आधारित छात्रवृत्ति परीक्षा 2024- 25 में चार बच्चों ने अपनी प्रतिभा व कठिन परिश्रम से सफलता का परचम लहराया है। सर्वप्रथम पूरे विकासखंड क्षेत्र में प्रधानाध्यापक व उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ के वरिष्ठ जिला उपाध्यक्ष सतीश सिंह ने 2014 में अपने विद्यालय के छात्र-छात्राओं को विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं में प्रतिभाग कराया था जिसमें बच्चों ने सफलता हासिल की थी। प्रतियोगी परीक्षाओं की शुरूआत का श्रेय इन्हीं को जाता है। प्रधानाध्यापक ने बताया कि जिला बेसिक शिक्षाधिकारी डॉ. गोरखनाथ पटेल के निर्देशन व मार्गदर्शन तथा खंड शिक्षाधिकारी आनंद प्रकाश सिंह के नेतृत्व में बच्चों ने यह सफलता हासिल की। उन्होंने बताया कि इस विद्यालय से सैकड़ो छात्र-छात्राएं राष्ट्रीय आय एवं योग्यता आधारित परीक्षा, श्रेष्ठा परीक्षा व अटल आवासीय परीक्षा में सफल होकर विभिन्न शैक्षिणिक संस्थानों में उच्च कोटि की शिक्षा ग्रहण कर रहे हैं। बच्चे परीक्षा उत्तीर्ण करके 12000 रुपये वार्षिक की छात्रवृत्ति से 4 वर्ष से लाभान्वित हो रहे हैं। इतना ही नहीं यहां के प्रतिभाशाली छात्र-छात्राएं देश के शीर्ष स्तर के सीबीएसई बोर्ड के विद्यालयों में अध्यनरत हैं। इंटरमीडिएट तक की शिक्षा निशुल्क ग्रहण कर रहे हैं। शिक्षकों कौशल कुमार प्रजापति , जितेंद्र सिंह और राजाराम द्वारा कठिन परिश्रम, समर्पण और पूरी तन्मयता के साथ बच्चों के भविष्य को उज्जवल बनाने के लिए निरंतर प्रयासरत हैं।

प्रधानाध्यापक सतीश सिंह ने की थी विकास खंड क्षेत्र में प्रतियोगी परीक्षाओं की शुरूआत, राष्ट्रीय आय एवं योग्यता आधारित परीक्षा 2024- 25 में चार बच्चों ने पाई सफलता

राम मंदिर के पास कौतूहल बने कांटों वाले बाबा

अयोध्या (उत्तरशक्ति)। राम मंदिर के पास इस वक्त कांटे वाले बाबा श्रद्धालुओं के लिए कौतूहल बने हुए हैं। राम मंदिर से थोड़ी दूर पहले रामपथ के किनारे वह कभी कांटों पर बैठ जाते हैं तो कभी कांटों पर लेट जाते हैं। कांटों पर बैठे और लेटे हुए बाबा लगातार डमरू बजाते रहते हैं वह कुछ भी बोलते नहीं हैं। श्रद्धालु इन्हें देखकर उनके करीब चले आते हैं और वीडियो भी बना रहे हैं। बाबा सभी को आशीर्वाद देते हैं। कांटों वाले बाबा ने बताया कि वह प्रयागराज से अयोध्या पहुंचे हैं और जहां पर भी श्रद्धालुओं का मेला लगता है वह वहां पर जाते हैं। पिछले 50 साल से कांटों पर ही उनका जीवन बीत रहा है। अभी फिलहाल कुछ दिन अयोध्या में ही प्रवास करेंगे। वहीं, उन्हें देखने लिए और उन्हें प्रणाम करने के लिए श्रद्धालु आ रहे हैं।

पीठाधीश्वर गौरीश गुरुजी ने सिद्धिविनायक मंदिर में किए दर्शन

मुंबई। महाराष्ट्र के शहापुर के श्री दंबाकाली मंदिर के पीठाधीश्वर गौरीश गुरुजी ने सोमवार को विनायक चतुर्थी के अवसर पर श्री सिद्धिविनायक गणपति मंदिर में भगवान विघ्नहर्ता के दर्शन कर पूजा-अर्चना की। इस अवसर पर श्री सिद्धिविनायक गणपति मंदिर ट्रस्ट के कोषाध्यक्ष आचार्य पवन त्रिपाठी ने पीठाधीश्वर की उपाधि से सम्मानित होने पर उनका भव्य स्वागत किया। इस दौरान मंदिर ट्रस्ट के ट्रस्टी भास्कर शेट्टी भी उपस्थित थे। पीठाधीश्वर बनने के बाद यह उनकी पहली आध्यात्मिक यात्रा थी, जिसमें उन्होंने श्री सिद्धिविनायक गणपति से आशीर्वाद लिया। इस अवसर पर अपना फल बाजार परिवार, बोरीवली के अध्यक्ष राजीव मिश्रा, शिव शुक्ला एवं शिवदयाल मिश्रा ने भी उनका अभिनंदन किया। पीठाधीश्वर गौरीश गुरुजी ने इस दौरान भारत से कैलाश पर्वत के दर्शन को संभव कराने के लिए विशेष प्रयासों पर आचार्य पवन त्रिपाठी से चर्चा की। उन्होंने कहा कि उनका संकल्प समाज और धर्म के उत्थान के लिए कार्य करना है और उन्होंने सभी श्रद्धालुओं से प्रेम और एकता का संदेश देने की अपील की।

आशिहारा कराटे के सालाना प्रतियोगिता में 11 विद्यार्थियों को ब्लैक बेल्ट खिताब प्रदत्त

मुंबई। आशिहारा कराटे इंटरनेशनल के सालाना प्रतियोगिता का आयोजन लायंस क्लब ऑफ मुलुंड मैदान मुलुंड पर प्रशिक्षक दयाशंकर पाल के मार्गदर्शन में किया गया। प्रतियोगिता के फाइनल में कीर्ति ठाकुर, दिशा चिपटे,विहान खरे, मानसी दांडेकर, चैतन्य चिपटे, तन्मय ऐरम, भावेश तरे, श्रीनिध धनावडे, विनीत झिंगाडे, स्वामी शिरोडकर,रजनीश कनोजिया का ब्लैक बेल्ट हेतु चयन किया गया। इस अवसर पर प्रमुख अतिथि के रूप में उपस्थित वरिष्ठ समाजसेवी डॉ बाबूलाल सिंह, डॉ सचिन सिंह (अध्यक्ष युवा ब्रिगेड एसोसिएशन), चंद्रवीर यादव (शिक्षा विद), संजय मिश्रा द्वारा चयनित विद्यार्थियों को ब्लैक बेल्ट एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान किया गया। इस अवसर पर प्राध्यापक सोनम केवट ने विभिन्न योग मुद्राओं एवं लाठी चला कर स्वतः की रक्षा का बेहतरीन प्रदर्शन किया। कार्यक्रम को सफल बनाने में आनंद जाधव, नयना पाटील, विश्वास पाल, अभिषेक गुप्ता, आशीष पाल, अजीत यादव, दक्ष पाल का विशेष सहयोग प्राप्त हुआ।

सुप्रिया ताई सुले ने क्षेत्रवासियों की समस्याओं के निराकरण करने का दिया आश्वासन

मुंबई(उत्तरशक्ति)। रविवार को दोपहर बाद 3 बजे बोरीवली वेस्टलिंक रोड स्थित गली नंबर 3-4 के सामने गणपति पाटिल नगर में विभिन्न समस्याओं नाली, रास्ता, राशनकार्ड, लाईट आदि के निराकरण हेतु राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी की सांसद श्रीमती सुप्रिया ताई सुले दहिसर ने आयोजित कार्यक्रम में उपस्थिती दर्ज कराई। जहां पर मनीष दुबे मुंबई अध्यक्ष, हिंदी भाषी विभाग ने क्षेत्र की समस्याओं के बारे अगत कराया। इसके साथ साथ क्षेत्र के तमाम समाज सेवियों ने भी वहां के रहिवासियों की समस्याओं को लेकर अपनी अपनी बाते उन तक पहुंचाई। श्रीमती सुप्रिया ताई सुले ने सभी की शिकायतों को संज्ञान में लेते हुए शीघ्र निराकरण करनाने का आश्वासन दिया।

मुंबई में होगा जागरण फिल्म फेस्टिवल के 12वें संस्करण का ग्रांड फिनाले

मुंबई। तैयार हो जाइए! सपनों और कहानियों के इस शहर में साल का सबसे बड़ा सिनेमा महोत्सव आने वाला है। भारत का सबसे बड़ा यात्रा करने वाला फिल्म महोत्सव, 12वां जागरण फिल्म फेस्टिवल (जेएफएफ), ₹गुड सिनेमा फॉर एव्रीवनₒ की थीम के साथ इस जीवंत शहर में अपनी छाप छोड़ने के लिए तैयार है। दिल्ली, प्रयागराज, वाराणसी, रायपुर, रांची, इंदौर, सिलीगुड़ी, कानपुर, लखनऊ, पटना, मेरठ, गोरखपुर, आगरा, लुधियाना और देहरादून जैसे प्रमुख शहरों में शानदार सफलता के बाद, अब यह फेस्टिवल मुंबई में अपने अंतिम पड़ाव पर पहुंच रहा है। इन शहरों में इस महोत्सव को कई प्रतिष्ठित हस्तियों और थिएटर जगत की प्रसिद्ध शख्सियतों का समर्थन मिला, जिन्होंने विभिन्न विषयों पर गहन चर्चा की। फेस्टिवल की शुरूआत 28 फरवरी से 2 मार्च तक हिसार और दरभंगा में होगी, जिसके बाद यह 6 से 9 मार्च के बीच फन सिनेमा, अंधेरी वेस्ट, मुंबई में आयोजित किया जाएगा। यह आयोजन स्थल चार दिनों के लिए स्वतंत्र फिल्म निमार्ताओं, सपने देखने वालों और कहानीकारों का केंद्र बन जाएगा। इस साल, 4,787 सबमिशन में से 292 बेहतरीन फिल्में (फीचर, शॉर्ट्स और डॉक्यूमेंट्री) चुनी गई हैं, जो 78 भाषाओं और 111 देशों की विविधता को प्रदर्शित करेंगी। 100 दिनों में 18 शहरों और 11 राज्यों की यात्रा करते हुए, यह फेस्टिवल अतुलनीय पहुंच और समावेशन को रेखांकित करते हुए मुंबई में भव्य समापन की ओर अग्रसर है।

छाई होली की रंगत, रंग गुलाल से सजी दुकानें, बरसेंगे 3500 करोड़

***शिव के त्रिशूल-डमरू वाली पिचकारी की डिमांड, मोदी योगी मुखौटे का भी जबरदस्त क्रेज**

***बच्चों को लुभा रही तरह-तरह की पिचाकिरियां**

***इलेक्ट्रानिक्स गन और और अरारोट के कलर्स की डिमांड**

***इसके अलावा स्प्रे से उड़ेगा गुलाल, कैप्सूल बरसायेगा रंग**

-सुरेश गांधी

वाराणसी। होली से दो सप्ताह पहले ही रंग-पिचकारी से बाजारों में खूब रौनक नजर आ रही है. हर तरफ रंगों का उल्लास बिखरा हुआ है। फगुआ गीतों की स्वर लहकरियां सबका मन मोह रही है। हर कोई झूमने को विवस है। बाजारों में सजी पिचकरिया रंग बरसने को आतुर है। इसके लिए ग्राहक भी उमड़ रहे हैं तो दुकानदारों के चेहरे खिल रहे हैं. तरह-तरह के रंग-गुलाल-पिचकारियों से लेकर होली में इस्तेमाल किये जाने वाले तमाम सामानों की बाजारों में भरमार है. इस बार भी बाजार में मोदी की फोटोवाली पिचकारी, मुखौटा और टीशर्ट भी मौजूद है। इन्हें काफी पसंद किया जा रहा है।

इस बार लेटेस्ट ट्रेंड में इलेक्ट्रानिक्स गन और आरोरोट से बने कलर्स की अधिक मांग बनी हुई हैं। महंगी होने के बाद भी अधिकतर लोग इनकी डिमांड कर रहे हैं, जिसके कारण व्यापारियों ने भी बड़ी मात्रा में इसके आर्डर दिए है। इस बार भी पिट्ठू बंदूक से लेकर डोरेमोन वाटर टैंक वैरायटी की पिचकरियां जरुर नजर आ रही है। बच्चे मास्क, पिचकारी वाटरमैन, वाटर बैलून की खरीदारी करते देखे गए। इस बार बेलन-हथौड़ा जैसे यूनिक पिचकारी भी लोग खरीद रहे है। इसके अलावा, भगवान भोलेनाथ के त्रिशूल, डमरू और बांसुरी के डिजाइन वाली पिचकारियों की भी खूब मांग बढ़ गई है।

वाराणसी व्यापार मंडल के अध्यक्ष अजीत सिंह बग्गा के अनुसार होली में रमजान का भी असर होने के कारण इस बार केवल काशी में ही तकरीबन 3500 करोड़ रुपये से ज्यादा का कारोबार होने का अनुमान है। जबकि देशभर में यह आंकड़ा 5 लाख करोड़ से ज्यादा हो सकता है। बता दें, बनारस रंगों के त्योहार होली के रंग में पूरा डूब गया है। शहर के कोने-कोने में होली के स्टॉल लग गये हैं. बच्चों और बड़ों को लुभाने के लिए तरह-तरह के मैजिक गुलाल गन व इंडियन पिचकारियां बाजार में उपलब्ध हैं. शहर के विभिन्न क्षेत्रों में लगे पिचकारियों और रंग-गुलाल के संस्थानों में खरीदारों की भीड़ बढ़ती जा रही है। इसके साथ ही मिष्ठान भंडारों में भी उपभोक्ताओं की रौनक देखी जा सकती है।

होली बाजार में इस वर्ष खास बात यह है कि चाइना कारोबार पूरी तरह से धड़ाम हो गया है और देशी कंपनियों की ही पिचकारियां और हर्बल रंग-गुलाल उपलब्ध हैं। उपभोक्ता भी इन्हें काफी पसंद कर रहे है। दुकानदार बताते हैं कि पहले पिचकारियां सिर्फ चाइनीज ही आती थीं, वह अब बेहद कम हो गयी हैं. अधिकतर पिचकारियां भारतीय निमार्ताओं की बनायी हुई हैं. होली से जुड़ी तमाम चीजें बिल्कुल स्वदेशी हैं. वहीं केमिकल युक्त चीजों से दूर हर्बल रंग और हर्बल-गुलाल बिक रहे हैं. होली की खरीदारी को लेकर लोग अभी से ही काफी उत्साहित हैं. इसका अंदाजा शहर में सजी रंग-गुलाल की दुकानों पर हो रही खरीदारी से लगाया जा सकता है. लोग साधारण और केमिकल-मुक्त गुलाल की जगह पर बिना केमिकल के नेचुरल गुलाल अधिक खरीद रहे हैं. पिचकारियों की बात करें तो दुकानों पर मिल रही कई प्रकार की पिचकारियां बच्चों को खूब लुभा रही हैं. यह कहना गलत नहीं होगा कि इस बार होली में काफी जमकर धमाल मचेगा. दालमंडी, हड़हासराय, राजा दरवाजा आदि क्षेत्रों में होलसेल और फुटकर दुकान पर ग्राहकों की भीड़ उमड़ रही है। लोग नए तरीके के पिचकारी, मुखौटे आदि की डिमांड कर रहे हैं। वहीं शिव के त्रिशूल और डमरू वाले पिचकारी भी लोगों को भा रहे हैं।

बाजार में कार्टून कैरेक्टर वाले मास्क बच्चों की पसंद

बाजार में बच्चों के लिए कार्टून कैरेक्टर वाले रंग-बिरंगे मास्क देखे जा सकते हैं. इसमें छोटा भीम, एवेंजर, स्पाइडर मैन, हल्क और घोस्ट, बार्बी डॉल्स, मोनो फिश, आयरन मैन, बैटमैन, रोबोट, कैप्टन अमेरिका वाले मास्क मुख्य हैं. होली बाजार में सेलिब्रिटी वाले विग भी खूब बिक रहे हैं. इसकी कीमत 50 रुपये से लेकर 1600 रुपये तक है. इस बार बाजार में हर बार की तरह बहुत कुछ नया आया है. पिछले वर्ष टी-शर्ट पर लिखा हुआ ट्रेंड था. वहीं इस बार बाजार में कुर्ती भी उपलब्ध है. यह लोगों को काफी आकर्षित कर रहा है. दुकानदारों का कहना है कि इस बार त्रिशूल वाली, रॉकेट लॉन्चर डिजाइन और अनार बम जैसी अनोखी पिचकारियां भी लोगों को खूब पसंद आ रही हैं।

घर-घर बन रही खरीदारी की लिस्ट

अफसर हो या आमजन हो या अन्य सभी के घर में खरीदारी की लिस्ट बन रही है. बाजार के व्यवसायियों ने इसकी तैयारी शुरू कर दी है. इनमें मुख्य रूप से कपड़ा दुकान से लेकर इलेक्ट्रिक-इलेक्ट्रॉनिक्स दुकानदार शामिल हैं. खरीदारी सभी आयु वर्ग के लोग करेंगे. खासकर, बच्चों के लिये सबसे अधिक खरीदारी होगी. साड़ी की भी खूब बिक्री होगी. लेटेस्ट डिजाइन की साड़िया बाजार में आयी है.

चिप्स-पापड़ की भी सजी दुकानें

होली पर्व नजदीक आते ही प्रकृति ने भी अपने रंग बिखेरने शुरू कर दिए हैं। जगह-जगह लाल रंग के फूलों से लदे सेमल के पेड़ व अन्य फूलों ने होली के आगमन का एहसास एक पखवारे पूर्व से ही कराने लगे थे। जगह-जगह अबीर-गुलाल व चिप्स पापड़ की दुकानें भी सज गई है। महिलाएं घरों में नमकीन चिप्स पापड़ व पकवान तैयार करने के लिए खोए की भी खरीदारी करने में लगी हुई हैं। इसके साथ ही ठंडई व फलों की खरीदारी भी लोग जोश व उमंग के साथ कर रहे हैं।

हर्बल रंग व गुलाल की मांग ज्यादा

रंगों व गुलाल के चलते स्कीन की बीमारियों न बढ़े इसके लिए लोग बाजारों में व दुकानों पर हर्बल रंग व गुलाल की मांग कर रहे हैं। वहीं बच्चे छोटी-बड़ी पिचकारी खरीद रहे हैं। इसके साथ ही ठंडई व फलों की खरीदारी भी लोग जोश व उमंग के साथ कर रहे हैं।

दोनों वर्ग कर रहे खरीदारी : अजीत सिंह बग्गा

वाराणसी व्यापार मंडल के अध्यक्ष अजीत सिंह बग्गा के अनुसार होली में रमजान का भी असर होने के कारण इस बार केवल काशी में ही तकरीबन 3500 करोड़ रुपये से ज्यादा का कारोबार होने का अनुमान है। जबकि देशभर में यह आंकड़ा 5 लाख करोड़ से ज्यादा हो सकता है। उनके मुताबिक इस बार दो त्योहार एक साथ आ गए हैं और दोनों वर्ग के त्योहार में खरीदारी खूब होती होली के मौके पर केवल 250 करोड़ रुपये की पिचकारी और 275 करोड़ रुपये के रंग का कारोबार होने का अनुमान है। जबकि कपड़ा व अन्य सामान को मिला दें, ये आंकड़ा 3500 करोड़ से ज्यादा को होगा। इस बार होती में करीब 250 करोड़ रुपये से ड्राई फ्रूट्स का कारोबार होने की संभावना है। कुछ सामान की अनुपलब्धता शुरू हो गई है। उनका कहना है कि कांग्रेस सनातन विरोधी रंग से होली खेलेगी। भाजपा लोगों के रंग में रंगी हुई है। 2014 से 2025 तक का सफर जनता के रंग का है। बीजेपी इसी रंग में रंगी रहेगी। कांग्रेस का रंग सनातन विरोधी का है, कांग्रेस उसी रंग से होली खेलेगी, लेकिन जनता इसका जवाब जरूर देगी।

बिंद समाज विकास संघ ने खोला नया जनसंपर्क कार्यालय

मुंबई, (उत्तरशक्ति)। रविवार को बिंद समाज विकास संघ द्वारा महाडा ट्रांजिस्ट कैंप कोकरी अगार डब्ल्यू टी टी वडाला एंटॉप हिल मुंबई में जन संपर्क कार्यालय का उद्घाटन किया गया । उद्घाटन कर्ता कार्यक्रम के मुख्य अतिथि कोकरी अगार झोपड़पट्टी पुनर्वासन समिति के अध्यक्ष चंगदेव वानखेड़े के द्वारा किया गया। बिंद समाज विकास संघ अपने उद्देश्यों एकता, जागरूकता, शिक्षा, स्वास्थ्य, महिला सशक्तिकरण, रोजगार में सहयोग, खेलकूद, सेवा संघर्ष के माध्यम से समाज हित के लिए निरंतर कार्य करता आ रहा है। संघ के कार्यों को सुचारू रूप देने, अधिक गतिशील प्रदान करने और जन समूहों के मांग पर कार्यालय का उद्घाटन किया गया।

जिसमें संघ के पदाधिकारी कार्यकर्ताओं, संघ के अध्यक्ष डॉ शेषधर बिंद सहित कार्याध्यक्ष अजय कुमार बिंद, राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष अशोक नाविक, राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी सरोज केवट, सह मीडिया प्रभारी रामकुमार बिंद, राष्ट्रीय सूचना मंत्री अरविंद बिंद, राष्ट्रीय सचिव बिनोद बिंद, महाराष्ट्र प्रवक्ता विनोद कुमार बिंद, युवा सेना अध्यक्ष दिनेश बिंद, युवा सेना प्रवक्ता नरेंद्र कुमार बिंद, मनोज कुमार केवट, राज बिहारी बिंद, दीपक बिंद, अनिल बिंद, लालप्रताप बिंद, अमरेश बिंद, चंदन प्रजापति, चंद्रेश बिंद, सुजीत बिंद,चंद्रभान बिंद मानखुर्द शाखा अध्यक्ष जयकिशन बिंद, विजय बिंद, विशिष्ट अतिथि फिजियोथैरेपिस्ट डॉ जगन्नाथ कनौजिया, डॉ आकाश केवट चर्म रोग विशेषज्ञ, राजू कोरवन, संतोष भीमपुरे, भीषे भाई, देसाई, प्रकाश सिंह, विक्रांत पाटील, मीडिया एडिटर अजय कुमार चौबे, महिला सशक्तिकरण में निशा वानखेडे, अनीता बिंद, रूपा सविता, दसवंती बिंद, रोजी वैद्य सुविधा मौजूद रही, जनसंपर्क कार्यालय खोलने के उपलक्ष में बच्चों महिलाएं पुरुषों को भारी मात्रा में निःशुल्क वस्त्र कपड़े, पैंट शर्ट शूट कमीज , बेड शीट, जरूरतमंद लोगों को कपड़े वितरित किए गए। बिंद समाज विकास संघ का जनसंपर्क कार्यालय खुलने से कोकरी अगार के रहवासियों में खुशी का माहौल देखा गया। महिला पुरुष बच्चों ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया और बिंद समाज विकास संघ के इस कार्य की बहुत सराहना की।

डॉ. दरबारी लाल अस्थाना स्मृति नाट्य समारोह 5 मार्च से

लखनऊ। वरिष्ठ स्वतंत्रता सेनानी डॉ. दरबारी लाल अस्थाना की पुण्यतिथि के अवसर पर सोमवार 3 मार्च को गोमती नगर के विनय खंड चार स्थित भारतीयम्‍ भवन में उन्हें पुष्पांजलि अर्पित की गई। इस आयोजन में डॉ. दरबारी लाल अस्थाना के पुत्र एवं वरिष्ठ रंगकर्मी पुनीत अस्थाना सहित अन्य वशिष्ट जन उपस्थित रहे।

इस अवसर पर यह औपचारिक घोषणा भी की गई कि संस्कृति मंत्रालय भारत सरकार, नई दिल्ली की प्रोडक्शन ग्रांट के अंतर्गत लखनऊ कम्युनिकेशन सोसाइटी की ओर से वरिष्ठ स्वतंत्रता सेनानी डॉ. दरबारी लाल अस्थाना की पुण्यतिथि के अवसर पर उन्हें समर्पित तीन दिवसीय नाटय समारोह, अयोध्या रोड स्थित अवध एकेडमी इंटर कॉलेज परिसर में पांच से सात मार्च तक आयोजित किया जाएगा। इसके संयोजक मंडल में विजय लक्ष्मी गुप्ता, दबीर सिद्दीकी और नीशू त्यागी शामिल हैं। उन्होंने बताया कि इस तीन दिवसीय नाट्य समारोह के उद्घाटन समारोह में बुधवार पांच मार्च को नव अंशिका फाउण्डेशन के रंगमंडल की ओर से तमाल बोस के लिखे नाटक आजादी के वीर सपूतह्व का मंचन नीशू त्यागी के निर्देशन में किया जाएगा। इस क्रम में गुरुवार 6 मार्च को थिएटर एवं फिल्म वेलफेयर एसोसिएशन के रंगमंडल द्वारा नाटक बाप रे बाप का मंचन दबीर सिद्दीकी के निर्देशन में किया जाएगा। समापन समारोह में शुक्रवार 7 मार्च को नव अंशिका फाउण्डेशन के रंगमंडल द्वारा चर्चा चाची के चर्चे का मंचन तमाल बोस के निर्देशन में किया जाएगा। इस प्रस्तुति की सहनिर्देशिका नीशू त्यागी हैं। इन नाटकों का विशेष मंचन विद्यार्थियों के लिए किया जा रहा है इसलिए इसका समय दोपहर दो बजे निर्धारित किया गया है।

डॉ. दरबारी लाल अस्थाना की पुत्रवधु शुभ्रा अस्थाना ने इस अवसर पर बताया कि वरिष्ठ स्वतंत्रता सेनानी डॉ.दरबारी लाल अस्थाना का जन्म 24 जुलाई 1905 को आगरा में हुआ था। स्वतंत्रता के पच्चीसवें वर्ष के अवसर पर स्वतंत्रता संग्राम में स्मरणीय योगदान के लिए राष्ट्र की ओर से तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने उन्हें 15 अगस्त 1972 को ताम्रपत्र से सम्मानित किया था। 3 मार्च 1985 को लगभग 80 वर्ष की आयु में उनका स्वर्गवास हुआ था। उन्होंने बताया कि अंग्रेजी हुकूमत के दौरान राजकीय कॉलेज आगरा में बहिष्कार आन्दोलन से वह राष्ट्र सेवा के क्षेत्र में सक्रिय हुए थे। वृन्दावन स्थित सुप्रसिद्ध प्रेम महाविद्यालय में उन्होंने ग्रामोत्थान का कार्य किया और ब्रज के अनेक गांवों का दौरा कर आम लोगों में आजादी और राष्ट्रीयता की भावना जगायी थी। डॉ. दरबारी लाल अस्थाना को ग्रामीण अर्थशास्त्र और पुनर्निर्माण कार्य का विशेष अध्ययन करने के लिये गुरु रविन्द्र नाथ टैगोर के विश्वविख्यात शान्तिनिकेतन भी भेजा गया था जहां गुरुदेव ने उन्हें एक कलम भी आशीर्वाद स्वरूप भेंट किया था।

उपसंपादक प्रेम चंद मिश्रा के नाती का नामकरण व मूल नक्षत्र पूजन संस्कार संपन्न

नालासोपारा (उत्तरशक्ति)। माटुंगा पूर्व सारस्वत कालोनी भाऊदाजी रोड स्थित भट्ट भुवन निवासी दैनिक उत्तर शक्ति समाचार पत्र के उपसंपादक प्रेम चंद मिश्रा के नाती का नामकरण संस्कार 2 मार्च 2025 रविवार को नालासोपारा पूर्व में रखा गया था। सुबह 8 बजे से सत्यनारायण कथा तथा दोपहर 3 बजे भजन कीर्तन का कार्यक्रम आयोजित किया गया। पंडित आचार्य दिनानाथ शुक्ल के मंत्रोच्चार शंख नाद द्वारा मूल नक्षत्र पूजन व नामकरण संस्कार संपन्न हुआ। शाम को महाप्रसाद व भोजन कार्यक्रम आयोजित किया गया। माटुंगा स्थित डॉन बॉस्को इंग्लिश हाईस्कूल के शिक्षक शैलेंद्र प्रेम चंद मिश्रा (नीरज मिश्र) को पुत्र रत्न प्राप्त होने पर लड्डू गोपाल का नाम दीर्घ मिश्रा रखा गया। उपस्थित सभी लोगों ने तालियां बजा कर स्वागत किया। दादा प्रेम चंद मिश्रा, दादी लीलावती मिश्रा, छोटे दादा फूल चंद मिश्रा, दादी सीमा मिश्रा, माता पिता रोशनी शैलेंद्र मिश्रा, बड़े पिता अरविंद मिश्रा, बड़ी मॉ रंजू , काका धिरेंद मिश्रा, काकी शैली मिश्रा, काका प्रशांत मिश्रा, दीदी मोनू दुबे, आशी दुबे, दिशा मिश्रा, रीतिका , निष्ठा, कियोशा मिश्रा, हिया प्रितेष मिश्रा, भाई प्रज्ञान मिश्रा मामा प्रितेष मिश्रा, बब्लू मिश्रा नामकरण संस्कार पर दीघार्यु की कामना करते हुए कहा कि दीर्घ मिश्रा आप की किर्ति की सुगंध चारों दिशाओं में फैले और एक ऊंचा कामयाबी मिले। इस शुभ अवसर पर वरिष्ठ पत्रकार प्रेम चौबे, खबरें आज तक के वरिष्ठ पत्रकार मुकेश त्रिपाठी, पत्रकार अवधेश मिश्रा (रिक्की) दैनिक उत्तर शक्ति समाचार पत्र संपादक ओमप्रकाश प्रजापति, सुनील तिवारी (वकील) , जगदीश तिवारी, अखिलेश तिवारी, सूरत से गैस व्यवसाई दिनेश तिवारी , संजय तिवारी, रमेश तिवारी, भवन्स कालेज के प्रोफेसर आशिष दुबे, आनंद दुबे , बोरीवली से श्रीमती आशा रुद्रप्रसाद दुबे, मनोज तिवारी, पूर्व सैनिक राजेश तिवारी, उमेश तिवारी, धीरज तिवारी सहित कई गणमान्य लोगों ने आशीर्वाद प्रदान किया और आयें हुए सभी महानुभावों का अभिवादन किया।